संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -177 शनिवार,29 अप्रैल 2023,पृष्ठ - 8+4 मूल्य 2 रूपये

खड़गे ही नहीं गांधी परिवार को है पीएम का अपमान करने की आदत

कर्नाटक में कांग्रेसियों पर बरसे शाह

बेंगलुरु,28 अप्रैल,2023 (ए)। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव को लेकर घमासान मचा हुआ है। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावणगेरे में शुक्रवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में जब-जब कांग्रेस सत्ता में आई तो उसने गरीबों की चिंता नहीं की।

कांग्रेस ने की एटीएम बनकर दिल्ली धन पहुंचाने की चिंता

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जब-जब कर्नाटक में आई यहां के गरीबों की चिंता नहीं की, किसानों की चिंता नहीं की, विकास की चिंता नहीं की, कर्नाटक की सुरक्षा की चिंता नहीं की। इन्होंने केवल और केवल एटीएम बनकर दिल्ली धन पहुंचाने की चिंता की और भाजपा जब-जब आई तब-तब कर्नाटक के विकास, सुरक्षा की चिंता की।

पीएम ने पीएफआई पर लगाया प्रतिबंध

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पीएफआई कैडरों को खुली छूट दे दी है। इसने उनके शासन में हत्याओं और बम विस्फोटों को जन्म दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने पीएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया और 95 से अधिक नेताओं को सलाखों के पीछे भेज दिया। इस प्रकार कर्नाटक को सुरक्षित किया।

अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा किसानों का अपमान किया, ना किसानों को उचित दाम मिला, ना फर्टिलाइजर मिला, ना पानी मिला। आज डबल इंजन की सरकार में

किसानों के खाते में डायरेक्ट पैसे भेजने का काम किया गया। गरीबों को हर सुविधा देने का काम किया गया।

खड़गे पर जमकर बरसे अमित शाह

इसी बीच अमित शाह ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर खरगे की आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि खरगे ही नहीं बल्कि गांधी परिवार को मोदी जी का अपमान करने की आदत है, लेकिन मोदी जी को जितना गाली दोगे कमल उतना ही खिलेगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की गारंटी का कोई मूल्य नहीं है। हालांकि, मैं गारंटी देता हूं कि सत्ता में आने पर वे भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण, दंगे और वंशवादी राजनीति में शामिल होंगे।

कांग्रेस में चल रहा झगड़ा

अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में मुख्यमंत्री पद को लेकर झगड़ा चल रहा है। डीके शिवकुमार नए कपड़े सिलवाकर तैयार हो गए हैं। सिद्धारमैया प्रत्याशी थे ही और अब अध्यक्ष बनने के बाद खरगे भी कतार में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि झगड़ा नहीं करो मुख्यमंत्री आपका नहीं बनने वाला है। मुख्यमंत्री तो भारतीय जनता पार्टी का बनेगा।

मणिपुर में मुख्यमंत्री एन.बीरेन सिंह का भारी विरोध

मणिपुर में सीएम के दौरे से पहले भीड़ ने कार्यक्रम स्थल को लगाई आग,धारा 144 लागू,इंटरनेट भी बंद

मणिपुर,28 अप्रैल,2023 (ए)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के दौरे से एक दिन पहले भीड़ ने कार्यक्रम स्थल पर आग लगा दी थी। घटना के बाद, जिले में इंटरनेट पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है। साथ ही धारा 144 लागू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि बीती रात करीब 9 बजे अनियंत्रित भीड़ ने इस घटना को अंजाम दिया गया। यहां मुख्यमंत्री शुक्रवार को जिम सह खेल सुविधा का उद्घाटन करने वाले थे। घटना के बाद, इंटरनेट पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है और चुराचांदपुर में धारा 144 लागू कर दी गई है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में आक्रोशित भीड़ को आयोजन स्थल के अंदर कुर्सियों और अन्य संपत्तियों को तोड़ते देखा जा सकता है। तोड़फोड़ के बाद आक्रोशित भीड़ ने नवनिर्मित जिम के खेल उपकरणों में भी आग लगा दी। घटना की जानकारी के बाद, स्थानीय पुलिस तुरंत कार्रवाई में जुट गई और भीड़ को तितर-बितर कर दिया, लेकिन सैकड़ों जलती हुई कुर्सियों से कार्यक्रम स्थल को पहले ही नुकसान हो चुका था। जैसे ही स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई,

चुराचंदपुर प्रशासन ने जिले में सुरक्षा बढ़ा दी, लेकिन स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है।

पुलिस ने बताया कि उत्तेजित भीड़ ने न्यू लमका में पीटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में नए सेट-अप ओपन जिम को आंशिक रूप से आग के हवाले कर दिया, जिसका उद्घाटन बीरेन सिंह करने वाले थे। जिला प्रशासन ने अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं की है कि हिंसा के कारण मुख्यमंत्री का कार्यक्रम रद्द किया गया है या नहीं। कथित तौर पर भीड़ की हिंसा का नेतृत्व स्वदेशी जनजातीय नेताओं के मंच ने किया था, जो आर्द्रभूमि के अलावा आरक्षित और संरक्षित वन क्षेत्रों के भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के सर्वेक्षण पर आपत्ति जताता रहा है। जनजातीय मंच ने राज्य सरकार पर गिरजाघरों को गिराने का आरोप लगाया।

मंच ने एक बयान में कहा कि वह सरकार के खिलाफ असहयोग अभियान चलाने के लिए मजबूर हो गया है और इस तरह उसके कार्यक्रमों में बाधा डाल रहा है और शुक्रवार को सुबह 8 बजे से जिले में आठ घंटे की हड़ताल का भी आह्वान किया है। राज्य के आदिवासियों के प्रति सौतेला व्यवहार करने के आरोपों के साथ कुकी छात्र संगठन ने भी मंच का समर्थन किया है। बता दें कि मणिपुर सरकार ने इस महीने की शुरुआत में कथित तौर पर राज्य में तीन चर्चों को यह कहते हुए ध्वस्त कर दिया था कि ये अवैध रूप से बनाए गए थे।

जहरीले सांप से की थी पीएम मोदी की तुलना

खड़गे के खिलाफ बीजेपी ने की चुनाव आयोग से शिकायत

नई दिल्ली ,28 अप्रैल,2023 (ए)। पीएम मोदी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के विवादित बयान पर बीजेपी के चार सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को चुनाव आयोग से मुलाकात की। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। इसके साथ ही खड़गे को कर्नाटक चुनाव प्रचार करने से रोकने की भी मांग की गई। इस प्रतिनिधिमंडल में भूपेंद्र यादव, तरुण चुग, अनिल बलूनी और ओम पाठक शामिल हैं।

भूपेंद्र यादव ने कहा कि यह जबान फिसलने का मामला नहीं है। जानबूझकर कुछ बातें कही गई, जो कांग्रेस के हेट कैंपेन को बताती हैं। हम इसकी निंदा करते हैं। कांग्रेस ने राजनीतिक विमर्श का स्तर गिरा दिया है।

मालूम हो कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ विवादित बयान दिया था। उन्होंने कथित तौर पर पीएम मोदी की तुलना जहरीले सांप से की थी। उनके इस बयान की बीजेपी ने निंदा की थी। लेकिन बयान पर विवाद बढ़ते देख खड़गे ने जल्द ही इस पर सफाई भी दे दी थी।

उन्होंने कहा था कि बीजेपी की विचारधारा विभाजनकारी, वैमनस्यपूर्ण, गरीबों व दलितों के प्रति नफरत व पूर्वाग्रह से भरी है। मैंने इसी नफरत व द्वेष की राजनीति की चर्चा की। मैंने उनके (पीएम मोदी) बारे में यह बात नहीं की। मैं व्यक्तिगत बयान नहीं देता। मेरे कहने का मतलब था कि उनकी विचारधारा सांप की तरह है, अगर आप चाटने की कोशिश करेंगे तो मौत होनी तय है।

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के घर पहुंची सीबीआई

भ्रष्टाचार के दावों पर मांगा स्पष्टीकरण

नईदिल्ली,28अप्रैल,2023(ए)। सीबीआई की एक टीम शुक्रवार को 60 करोड़ रुपये के कथित भ्रष्टाचार मामले में और जानकारी हासिल करने के लिए जम्मू-कश्मीर राज्य के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के आवास आरकेपुरम पहुंची। सूत्रों ने बताया कि टीम ने भ्रष्टाचार के उनके दावों पर स्पष्टीकरण मांगा है।

मामला एक स्वास्थ्य बीमा योजना से जुड़ा है, जिसे कथित तौर पर आगे बढ़ाने के लिए कहा गया था। मलिक ने दावा किया था कि 23 अगस्त, 2018 और 30 अक्टूबर, 2019 के बीच जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान फाइलों को मंजूरी देने के लिए उन्हें रिश्वत की पेशकश की गई थी। पिछले साल सीबीआई ने इस संबंध में मामला दर्ज किया था और छह राज्यों में छापेमारी की थी।

23 मार्च, 2022 को डॉ. मोहम्मद उस्मान खान, जेकेएएस, उप सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग, जम्मू-कश्मीर सरकार का एक पत्र रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड को जम्मू-कश्मीर सरकारी कर्मचारी स्वास्थ्य देखभाल बीमा योजना का ठेका देने में कदाचार के मामले में प्राप्त हुआ था।सीबीआई स्रोत ने कहा,आरोपों ने प्रथम दृष्टया खुलासा किया कि ट्रिनिटी रीइंश्योरेंस ब्रोकर्स लिमिटेड, रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और अन्य अज्ञात लोक सेवकों के साथ साजिश और मिलीभगत से जम्मू-कश्मीर सरकार के वित्त विभाग के अज्ञात अधिकारियों ने अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करके यह अपराध किया है। प्रारंभिक जांच के बाद सीबीआई ने मामला दर्ज किया।

मिलावटी दूध और खाद्य पदार्थों की बिक्री पर सरकार ने नहीं दिया जवाब

हाईकोर्ट ने जताई गहरी नाराजगी

रांची,28अप्रैल,2023 (ए)। झारखंड हाईकोर्ट ने मिलावटी दूध और खाद्य पदार्थों की बिक्री के मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए शुक्रवार को मामले की सुनवाई की। इस मामले में राज्य सरकार की ओर से जवाब नहीं आने पर कोर्ट ने गहरी नाराजगी जाहिर की।

चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक के मामले में यदि अगली सुनवाई तक सरकार का जवाब नहीं आता है तो स्वास्थ्य सचिव को कोर्ट में

उपस्थित होना पड़ेगा। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 16 जून को निर्धारित की है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने राज्य सरकार को विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने राज्य सरकार से बीते एक साल के खाद्य पदार्थों की जांच से संबंधित विवरण मांगा था। कोर्ट ने सरकार से पूछा था कि राज्य के विभिन्न जिलों में फूड सेफ्टी ऑफिसर की ओर से प्रति माह कितने खाद्य पदार्थों के सैंपल एकत्रित किए गए। इनमें से कितने सैंपल गलत पाये गये और जिन खाद्य पदार्थों के सैंपल गलत पाए गए उनके खिलाफ क्या कार्रवाई हुई।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सिसोदिया को झटका

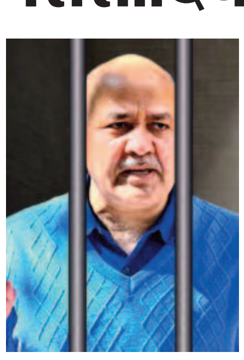

कोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

नईदिल्ली,28अप्रैल,2023(ए)। दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका राउज एवेन्यू की विशेष अदालत ने खारिज कर दी। अदालत ने 18 अप्रैल को दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

भारत सरकार द्वारा कावेरी ऑपरेशन जारी

सरकार ने सूडान में फंसे भारतीयों के 10वें जत्थे को सुरक्षित निकाला

नईदिल्ली,28अप्रैल,2023(ए)। भारत ने हिंसा ग्रस्त सूडान से अपने नागरिकों के 10वें जत्थे को सुरक्षा पूर्वक बाहर निकाल लिया है। उन्हें सूडान पोर्ट से सऊदी शहर जेद्दा लाया गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमने संघर्षग्रस्त अफ्रीकी देश में ऑपरेशन कावेरी जारी रखा है। सूडान की सेना और अर्धसैनिक

बल रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच चल रहे शसस्त्र संघर्ष के बीच इस बचाव अभियान के तहत भारत सूडान में फंसे अपने लोगों को निकाल रहा है।

देश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने शुक्रवार को ट्वीट किया कि ऑपरेशन कावेरी जारी है। भारतीय वायुसेना के फ्लाइट में 135 यात्रियों के साथ 10वां जत्था पोर्ट सूडान से जेद्दा के लिए रवाना हुआ। इससे पहले एक ट्वीट में उन्होंने लिखा कि आईएनएस तरकश ने ऑपरेशन कावेरी के प्रयासों को बल दिया! भारतीयों का 9वां जत्था पोर्ट सूडान से 326 यात्रियों को लेकर जेद्दा के लिए रवाना हुआ है।

हेट स्पीच पर सुप्रीमकोर्ट का राज्यों को निर्देश

बिना शिकायत स्वतः संज्ञान लेकर दर्ज करें एफआईआर

नईदिल्ली,28अप्रैल,2023(ए) ।सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) को नफरत फैलाने वाले भाषण देने वालों के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया, भले ही कोई शिकायत न की गई हो, और इस बात पर जोर दिया कि बेंच के दोनों न्यायाधीश अराजनैतिक हैं और उन्हें पार्टी ए या पार्टी बी या पार्टी सी से कोई मतलब नहीं है। जस्टिस के.एम. जोसेफ और बी.वी. नागरत्ना की पीठ ने अभद्र भाषा को देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को प्रभावित करने में सक्षम गंभीर अपराध करार दिया और कहा कि अदालत ने पिछले साल जनता की भलाई को ध्यान में रखते हुए अभद्र भाषा के खिलाफ

स्वतः संज्ञान लेने का आदेश पारित किया था। सुनवाई के दौरान, पीठ ने यह स्पष्ट कर दिया कि दोनों न्यायाधीश अराजनीतिक हैं और उन्हें पार्टी ए या पार्टी बी, या पार्टी सी से कोई मतलब नहीं है, हम केवल देश के संविधान और कानूनों को जानते हैं.. हम इसके बारे में बहुत स्पष्ट रहें.. हम जो भी आदेश पारित करते हैं, वह हमारे द्वारा ली गई शपथ के प्रति निष्ठा है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि इसमें कोई विवाद नहीं है और इसमें कोई संदेह भी नहीं है। जब वकील ने देश के विभिन्न हिस्सों में अभद्र भाषा के उदाहरणों का हवाला दिया, तो पीठ ने मौखिक रूप से कहा- राजनीति में मत लाओ। यदि राजनीति में लाने का प्रयास किया जाता है, तो हम इसमें पक्षकार नहीं होंगे..हमने कहा हमारे आदेश में, चाहे वह किसी भी धर्म का हो (कार्रवाई होनी चाहिए), आपको और क्या चाहिए।

आयकर विभाग ने मुख्तार अंसारी को भेजा नोटिस

लखनऊ,28अप्रैल,2023(ए) माफिया डॉन से नेता बने मुख्तार अंसारी को आयकर (आई-टी) विभाग ने बांदा जेल में नोटिस भेजा है, जहां वह वर्तमान में बंद है। नोटिस विभाग की हालिया कार्यवाही से संबंधित है, जिसमें अंसारी की 12 करोड़ रुपये की बेनामी संपत्ति कुर्क की गई थी। पता चला कि संपत्ति गणेश दत्त मिश्रा के नाम पर पंजीकृत है।

नोटिस में जांच के लिए मिश्रा के साथ अंसारी के संबंध का ब्योरा मांगा गया है।एक वरिष्ठ जेल अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है।

आईटी के सूत्रों ने कहा कि अंसारी की 23 और बेनामी संपत्तियों का पता लगाया गया है।

सूत्रों ने बताया कि गाजीपुर में मिश्रा के नाम दर्ज संपत्ति 0.207 हेक्टेयर है और इसकी कीमत 12 करोड़ रुपये है।

सुखबीर बादल को मिली सुप्रीम राहत

अकाली दल के दोहरे संविधान मामले में मिली क्लीन चिट

नई दिल्ली,28अप्रैल,2023 (ए)। सर्वोच्च न्यायालय ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के दोहरे संविधान को लेकर पार्टी के दिवंगत संरक्षक प्रकाश सिंह बादल और उनके बेटे सुखबीर सिंह बादल के खिलाफ चल रहे विवाद के संबंध में धोखाधड़ी और जालसाजी की कार्यवाही को रद्द कर दिया। पांच बार पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री रहे प्रकाश सिंह बादल का मंगलवार को मोहाली के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 95 वर्ष के थे।

सुप्रीम कोर्ट ने 11 अप्रैल को बादलों और दलजीत सिंह चीमा की उस याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसमें पंजाब के होशियारपुर कोर्ट में उनके खिलाफ दर्ज जालसाजी और धोखाधड़ी के कथित मामले में लंबित कार्यवाही को चुनौती दी गई थी।फैसला सुनाते हुए, न्यायमूर्ति एम.आर. शाह की अगुवाई वाली पीठ ने कहा,

कोई सामग्री नहीं बनी, आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी गई, हमने सम्मन आदेश को रद्द कर दिया। होशियारपुर निवासी बलवंत सिंह खेड़ा द्वारा दायर शिकायत के संबंध में बादल और चीमा द्वारा याचिका दायर की गई थी। 2009 में, खेड़ा ने अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष एक आपराधिक शिकायत दर्ज की थी।

शिकायत में एसएडी पर राजनीतिक दल के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए दो अलग-अलग संविधान, यानी एक गुरुद्वारा चुनाव आयोग (जीईसी) और दूसरा चुनाव आयोग (ईसीआई) के पास जमा करने का आरोप लगाया गया था।

वरिष्ठ अधिवक्ता के.वी. विश्वनाथन और आर.एस. चीमा बादलों की ओर से और वकील संदीप कपूर चीमा की ओर से पेश हुए। याचिकाएं करंजावाला एंड कंपनी द्वारा दायर की गई थीं और ब्रीफ का नेतृत्व नंदिनी गोरे और संदीप कपूर और अन्य ने किया था। बलवंत सिंह खेड़ा की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण पेश हुए। शीर्ष अदालत ने कहा कि प्रथमदृष्टया जालसाजी, धोखाधड़ी आदि का मामला नहीं बनता है।

संपादकीय

आई चुनावी ऋतु, आ अब लौट चलें...

वे पांच साल तक सत्ता का उपभोग कर राजधानी के सरकारी आवास में मुफ्त की सुविधाओं का लुत्फ लेते रहे, अब जबकि चुनाव सन्निकट है, वे जनता की ओर लौटने का मन बना रहे हैं। हालांकि, कमरतोड़ महंगाई से आम जनता की कंडीशन बिगड़ती रही, मगर उन्होंने अपने एयर कंडीशन आशियाने से बाहर आने की जहमत नहीं उठाई।

पढ़े-लिखे नौजवान स्कूल-कॉलेजों में लाखों की फीस भरने के बाद नौकरी की गुहार लगाते रहे। भूखे-प्यासे धरने पर बैठे रहे, लेकिन बेरोजगारों को अपने हाल पर छोड़ दिया गया। देश का किसान कभी प्रकृति की मार से तो कभी फसलों के औने-पौने दाम से परेशान होता रहा, पर उन्होंने संवेदनशीलता नहीं दिखाई।लोकतंत्र में चुनाव एक आवश्यक प्रक्रिया है, और हर पांच साल में जनता अपने मताधिकार का उपयोग करती है, इसलिए तमाम दूरियों और असमानता के बावजूद जनता के बीच जाना उनकी मजबूरी है। इसलिए न चाहते हुए भी तंग बस्तियों, धूल भरी सड़कों और गांव की गलियों की ओर लौटना ही पड़ता है।पांच बरस पहले जिन वादों को लेकर वे जनता के लोगों के बीच गए थे, वे रह-रह कर उनकी स्मृति में आ रहे हैं। इसके लिए अबकी बार वे नये वादों के साथ-साथ भावनात्मक मायाजाल का भी सहारा लेने से नहीं चूक रहे हैं। जहां जाते हैं, वहीं के मूल निवासी बनने का पूरा प्रयास करते हैं। कई बार तो वे अपनी आधी उम्र के मतदाताओं के चरणों में नतमस्तक हो जाते हैं, अनजान लोगों के बीच बैठकर लम्बी चर्चा करने लगते हैं। जो हमेशा आरओ का बोतल बंद पानी को ही हाथ लगाते हैं, वे आजकल वोट की गुहार करते-करते रास्ते में सड़क किनारे की प्याऊ से प्यास बुझाते देखे जा सकते हैं।इतना ही नहीं, उनको वोट के लिए राह चलता किसी बारात में थिरकते हुए भी देखा जा सकता है। कड़ी धूप में जलसों का प्रतिनिधित्व भी बिना शिकन के करते हुए पाये जाते हैं। शोकसभा हो या शवयात्रा, अपनी उपस्थिति सोशल मीडिया पर अवश्य साझा कर कृत्रिम संवेदना व्यक्त करने में पीछे नहीं रहते हैं।अब चूंकि चुनाव का शंखनाद हो चुका है, वोटों की फसल काटने का मौसम जोरों पर है, इसलिए वे भी आम जनता के बीच लौटने को आतुर हैं, ताकि फिर से जनता के रहनुमा बनकर अपनी राजनीतिक जमीन को बचा सकें। यही कारण है कि वे अब जनता के बीच जाने का पूर्ण मन बना चुके हैं, ताकि लोकतंत्र के साथ-साथ अपनी जड़ें भी मजबूत कर सकें।

फिर मचा नक्सली तांडव

फिर 11 जवानों की हत्या,आखिर कब तक ?

विगत दिनों नक्सलियों द्वारा पुलिस वालों की व्यूह रचना तोड़ते हुए नक्सलियों ने एंबुश लगाकर 11जवानों की दंतेवाड़ा जिले में दर्दनाक हत्या कर दी, लगभग और जवान घायल भी हुए हैं, नक्सलियों का दो साल बाद का सबसे बड़ा हमला है। इसके पूर्व 2 वर्ष पहले एक विधायक की हत्या कर दी गई थी। सूत्रों के अनुसार खुफिया तंत्र की असफलता तथा नक्सलियों तक पुलिस की हर गतिविधि की जानकारी पहुंचने के कारण नक्सलियों ने तांडव मचाया है। केंद्रीय गृहमंत्री तथा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री दोनों ने दुख व्यक्त कर पुलिस बल का मनोबल भी बढ़ाया और यह भी कहा कि यह शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी।नक्सलियों ने लगभग दो साल बाद छत्तीसगढ़ के जंगलों में अपनी उपस्थिति फिर से दर्शाइ है। छत्तीसगढ़ में बलरामपुर, जसपुर ,बस्तर ,दंतेवाड़ा ,सुकमा, कोंटा ,नारायणपुर आदि धुर नक्सली क्षेत्र माने जाते हैं और नक्सली अपनी गतिविधि यहां लगातार दर्शाते रहते हैं। लेकिन यह 11 जवानों की हत्या बड़ी ही दर्दनाक हुई और अचानक नक्सलियों द्वारा आक्रमण की रणनीति के कारण अभी तक प्रशासन शासन को समझ नहीं आया है । क्षेत्र की जनता और सरकार दोनों अब हाई अलर्ट पर हैं। खुफिया विभाग अपने असफलता के कारणों की खोज में लगी हुई ईतना बारूद सड़कों में लगाया गया और पुलिस के खुफिया तंत्र को कानो कान खबर नहीं हुई। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़, झारखंड, आंध्र प्रदेश तथा महाराष्ट्, मध्य प्रदेश, बिहार के जंगलों में नक्सलवादियों ने अपना केंद्र बना कर रखा है, और गाहे-बगाहे पुलिस से मुठभेड़ में पुलिस वालों की अनावश्यक हत्या करते रहते हैं.

विगत दिनों नक्सली नेताओं ने छत्तीसगढ़ सरकार से बातचीत करने का प्रस्ताव रखा था ,फिर अचानक ऐसा क्या हुआ की पुलिस के केंद्रीय बल के सैनिकों पर इतना बड़ा हमला कर दिया ।छत्तीसगढ़, झारखंड ,आंध्र प्रदेश तथा महाराष्ट्र की सरकार को नक्सली समस्या का स्थाई हल खोजना ही होगा अन्यथा इस तरह की नक्सली मुठभेड़ में जवानों की जिंदगी व्यर्थ ही गवानी पड़ जाएगी। नक्सली समस्या मूलत पश्चिम बंगाल की देन है,जहां चारू मजूमदार,कानू सान्याल के नेतृत्व में नक्शलवाड़ी नामक ग्राम में दल का गठन किया गया था। जहां सरकार के विरोध में आदिवासियों के शोषण और सरकारी अधिकारियों तथा कर्मचारियों के भ्रष्टाचार के विरोध में चारू मजूमदार ने एक अभियान चलाया था। कालांतर में जो नक्सलवादी गतिविधि या वामपंथी गतिविधि के नाम से जानी जाती है।कई वर्षों पहले पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे सिद्धार्थ शंकर रे ने प्रशासनिक कुशलता दिखाते हुए कठोर कदम उठाकर नक्सलवाड़ी को समूल नष्ट करवा दिया था। इसी तरह पंजाब में खालीस्तान समस्या सिर चढ़कर बोलने लगी थी। जिससे पंजाब की जनता अनावश्यक परेशान थी, और खालीस्तान के समर्थक वहां हिंसक गतिविधियों में लिप्त हो कर सरकार को सरकार चलाने में दिक्कत देने लगे थे। ऐसे में पंजाब पुलिस के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस के,पी,एस गिल ने एक कठोर ऑपरेशन चलाकर खालीस्तान समस्या को नेस्तनाबूद कर दिया था। नक्सली तथा वामपंथी समस्याओं से प्रभावित झारखंड,छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश तथा महाराष्ट्र के पुलिस अधिकारियों को नक्सलियों के विरोध में इसी तरह संयुक्त अभियान चलाकर नक्सली समस्या को कठोरता से खत्म करना चाहिए। या फिर शासन प्रशासन को नक्सली समस्या पैदा होने के मूल कारणों में जाकर वहां की आदिवासी जनता को राशन,दवाएं पानी, शिक्षाऔर से क की समस्या को समझ कर उस क्षेत्र को सामाजिक अभियान चलाकर नक्सली मुक्त कराना चाहिए ।क्योंकि नक्सलवादी वामपंथी लोग पुलिस दल से ज्यादा आधुनिक अस्त्र शस्त्र तथा विस्फोटक सामग्री इस्तेमाल कर पुलिस वालों को लगातार मौत के घाट उतार कर शासन का अपनी तरफ ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। अब तक नक्सलवादियों ने हजारों पुलिसकर्मियों की हत्या की है।यह विद्रोही,माओवादी आदिवासियों को राशन पानी स्वास्थ्य शिक्षा सड़क की सुविधाएं न दिए जाने की आड़ में उनसे सहयोग लेकर पुलिस वालों की निरंतर हत्या कर रहे हैं। जिसे तत्काल एक अभियान बनाकर तो रोका जाना चाहिए, इन राज्यों में दूरगामी योजना बनाकर सिद्धार्थ शंकर रे जैसे प्रशासक तथा केपीएस गिल के अधिकारियों की आवश्यकता फिर से होगी।इसके अलावा नक्सलियों को खत्म करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति तथा सशक्त दूरगामी रणनीति तैयार कर इन को घेरकर खत्म किया जाना चाहिएद्य अन्यथा ऐसे ही मुठभेड़ों में निरीह जवानों की हत्या होती रहेगी और हम हाथ में हाथ धरे बैठे रहेंगे।

संजीव ठाकुर,
चौबे कालोनी रायपुर छत्तीसगढ़,

गलती का एहसास

÷ ग्रीष्म ऋतु का आगमन हो चुका है। मैंने पहले ही तुमसे कहा था कि हम यहाँ से दूसरे वन को चले जाते हैं, लेकिन तुम मेरी एक नहीं सुनती; अपनी ही मनमानी करती हो। थोड़ा चिंतित और उदास टीटू चिड़िया अपनी धर्मपत्नी विनी को समझा रहा था।

गर्भवती विनी टीटू की बातें बड़े ध्यान से सुन रही थी। चूँकि वे दोनों जानते थे कि यहाँ गर्मी में पानी की बहुत परेशानी होती है और घोंसला भी टूट रहा है। वैसे भी विनी को अकेला रहना पसंद था। किसी से ज्यादा मेलङ्कमिलाप नहीं रखती थी वह। स्वभाव से थोड़ी घमंडी भी थी। टीटू उसको बहुत समझाता था; फिर भी विनी उसकी बातों को यूँ ही उड़ा देती और अपने में ही खुश रहती।

कुछ दिन बीते। जंगल में पानी की कमी होने लगी। सभी चिड़यिा दाना पानी की तलाश में जंगल से बाहर निकल गए। लेकिन टीटू को विनी ने मना कर दिया। यहीं रहने की जिद पर उतर आयी। उसे अकेलापन पसंद था। विनी की जिद पर टीटू ने कुछ कहना चाहा तो विनी टीटू को शांत कराते हुए बोलीङ्क ÷ चुप... ! मैं बोल रही हूँ... मतलब मैं बोल रही हूँ...ना ! ÷ तभी पास बैठी मिन्नी चिड़िया ने विनी से कहा कि तुम ऐसा क्यों सोचती हो विनी। तुम गर्भवती हो और तुम्हारा घोंसला भी टूटने वाला है। ऐसे में तुम अंडे कहाँ दोगी। तुम्हारी देखभाल कौन करेगा। टीटू भोजन की व्यवस्था करेगा या तुम्हारा ध्यान रखेगा। तुम्हें यह सब समझना चाहिए। अरे भाई.... ! हम सब के बीच रहकर तो तुम खुश रहोगी।

मिन्नी की बातें सुन विनी तमतमा गयी। बोली- मुझे किसी की जरूरत नहीं है। तुम जा सकती हो मिन्नी दीदी। ÷ मिन्नी वहाँ से चली गयी। धीरे-धीरे सभी चिड़िया वन छोड़कर चली गयीं। सारा वन सूना हो गया। फिर विनी के मन में तरह-तरह के सवाल उठने लगे। तभी विनी टीटू से बोली- टीटू ! चलो ना हम आम वाले बगीचे में चलते हैं। मुझे यहाँ अच्छा नहीं लग रहा है। टीटू को गुस्सा आया और चिढ़ाते हुए बोला- नहीं.... नहीं... विनी। अब हम कहीं नहीं जायेंगे। तुम्हें तो अकेला रहना पसंद है ना ? तुम यहाँ से जाना भी नहीं चाहती। किसी से बात करना भी नहीं चाहती हो। रहो न अब, क्या हुआ ? फिर विनी रोने लग गयी।

कुछ समय पश्चात दोनों आम के बगीचे की ओर चल पड़े। टीटू बहुत परेशान था बेचारा। सोच रहा था कि अब कहाँ घोंसला बनाया जाय। सभी चिड़ियों ने घोंसले बना लिये होंगे। टीटू को अच्छी तरह पता था कि विनी के अंडे देने का समय भी लगभग आ ही चुका है।

बगीचे में पहुँचते ही विनी थकान महसूस करने लगी। गिड़गिड़ाने लगी- अब और मैं नहीं उड़ सकती टीटू। मुझे बचा लो। बोलते-हाँफते हुए विनी बेहोश हो गयी। टीटू घबरा गया। सभी चिड़िया अपने अपने घोंसले से झाँक झाँक कर देखने लगीं। विनी के रूखे व्यवहार के कारण किसी की हिम्मत नहीं हुई उससे बात करने की। तभी एक डाल पर वृद्ध चिड़िया दम्पत्ती रहते थे। विनी की हालत देख कर उन्हें टीटू-विनी पर दया आ गयी। उन दोनों को उन्होंने अपने घर में रहने के लिए जगह दे दी।

थोड़ी देर बाद विनी को होश आया।देखा कि वह एक बूढ़े दंपत्ती के घर में है। साथ में सभी चिड़यिा भी आसङ्कपास थी। विनी को पहली बार अपनापन का एहसास होने लगा। वृद्ध दंपत्ती विनी को समझाते हुए बोले कि देखो विनी ! हमें सब के साथ मिलजुल कर रहना चाहिए। एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए। तुमने कभी किसी से अच्छा व्यवहार नहीं किया, फिर भी आज सभी तुम्हें मदद करने आ गए। आज इन चिड़ियों ने तुम्हें नया जीवनदान दिया है। कभी भी इसका एहसान नहीं भूलना।

विनी की आँखों से आँसूओं की झड़ी लग गयी। विनी ने सबसे माफी माँगी। सबने उसे माफ कर दिया। तभी विनी अपने पास बैठी मिन्नी से कहने लगी- ÷ मुझे माफ करना मिन्नी दीदी। मुझसे गलती हो गयी। मैंने तुम्हें गुस्से में बहुत कुछ बोल दिया। ÷

मिन्नी सुबकती विनी को अपनी चोंच से सहलाते हुए मुस्कुरा रही थी।

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

नजरों की पहरा

गहरी नदिया सागर है गहरा
जमाने की नजरों का पहरा
कैसे प्रिये तेरी दीदार करूँ
प्रेम का कैसे मैं इजहार करूँ
दुश्मन बन गई जालिम ये जमाना
करती हो नई रोज कोई नई बहाना
कैसे प्रिये तेरी दीदार करूँ
प्रेम का कैसे मैं इजहार करूँ
पर्वत पे छाई है मनोरम हरियाली
सज गई जैसे सावन में दीवाली
कैसे प्रिये तेरी दीदार। करूँ
प्रेम का कैसे मैं इजहार करूँ
सामने सागर मै साहिल पे खड़ा हूँ
बालू की रेत पे बैठा मायुस पड़ा हूँ
कैसे प्रिये तेरी दीदार।करूँ
प्रेम का कैसे मैं इजहार करूँ
बस्ती बस्ती चली है हवा पुरवाई
पीपल की डाली ने ली अंगडाई
कैसे प्रिये तेरी दीदार करुँ
प्रेम का कैसे मैं इजहार करूँ
अमुवा की डाली पे कूक रही कोयलिया
परदेशी प्रीत को बुला रही है गुजरिया
कैसे प्रिये तेरी दीदार करूँ
प्रेम का कैसे मैं इजहार करूँ

उदय किशोर साह
जयपुर जिला
बाँका बिहार

आनंदमई

इश्क,प्रेम,मोहब्बत
ये सब शब्द अधूरे है
एक बार तुम
आ जाओ तो
ये शब्द खुद-ब-खुद पूरे है।
एहसास,वफा,दिल्लगी
ये सब शब्द अधूरे है
एक बार तुम
छू लो मेरी रूह को
ये शब्द खुद-ब-खुद पूरे है।
अनुरक्ति,प्रीति,भक्ति
ये सब शब्द अधूरे है
एक बार तुम
सिमट जाऊं मेरे अंतर्मन में
ये शब्द खुद-ब-खुद पूरे है।

राजीव डोगरा
जनयानकड़
कांगड़ा
हिमाचल प्रदेश

स्मित स्मृतियों की मृदु मंथर वात

स्मित स्मृतियों की मृदु मंथर वात।
स्मित मुस्कान लाती तेरी बात।
जब जब जाऊं स्मृतियों में मैं,
मन प्रमुदित खिल जाऊ मैं।
हूं गुमसुम सी आज अकेली।
सबके लिए बन गई पहेली।
था अपार कभी वैभव अपना।
अब तो बन गया जैसे सपना।
समय ने खेला कैसा घात।
स्मित स्मृतियों की मृदु मंथर वात।
जब तक तुम मेरे साथ में थे।
गम के कभी एहसास न थे।
हर दिन वसंत लगता था।
हर रात दिवाली लगती थी।
डराने आती कलुष काली रात।
स्मित स्मृतियों की मृदु मंथर वात।
शांत क्लांत नितांत अकेली।
नहीं कोई मेरी सखी सहेली।

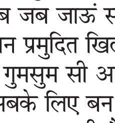

प्रेमा पटेल
वाराणसी

मौत को हरा अन्नपूर्णा फतह कर आई बलजीत

सोशल मीडिया पर उनको श्रद्धांजलि देने का सिलसिला थम नहीं रहा था। उनके साथ ही लापता आयरलैंड के पर्वतारोही का शव बरामद हो चुका था। जिस इलाके में वह लापता हुई थी, उसे डेथ जोन कहा जाता है। दुनिया की खतरनाक चोटियों में शुमार नेपाल की अन्नपूर्णा चोटी पर लापता हिमाचल की पर्वतारोही बेटी को लेकर कयास लगाये जा रहे थे कि अब वह नहीं लौटेगी। वैसे एक खास ऊंचाई पर विकट हालात में इतने समय तक किसी का जीवित रह पाना संभव ही नहीं होता। बशर्ते कोई करिश्मा न हो। दरअसल, एक खास ऊंचाई के बाद बिना ऑक्सीजन के खतरनाक चोटियों पर चढ़ाई करने वाले पर्वतारोहियों के हाई ऑल्टीट्यूड सेरिब्रल एडिमा का शिकार होने का खतरा बढ़ जाता है। यह स्थिति इतनी भयावह होती है कि आपका दिमाग आपके ही विरुद्ध काम करना शुरू कर देता है। दिमाग सामान्य संवेदनशीलता भी खो देता है। फिर कल्पना की ऐसी दुनिया में ले जाता है, जो मौत की राह बन सकती है। इस स्थिति में थोड़ी देर की नींद भी पर्वतारोही को मौत के आगोश में ले जाती है। ऐसी ही कल्पना इस माह के तीसरे हफ्ते में हिमाचल की पर्वतारोही बलजीत को लेकर भी की जा रही थी।

मगर मजबूत इरादों व आत्मविश्वास से भरी बलजीत मौत को हराकर लौट आई। उसने तमाम पर्वतारोहियों व आम लोगों को संदेश दिया कि मनोबल से हारी लड़ाई भी जीती जा सकती है। लगातार अपने दिमाग के प्रतिरोध से जूझते हुए वह निरंतर खुद को बचाने के प्रयास में लगी रही। दिमाग के पूरी तरह साथ न देने के बावजूद उसने टूर पर्वतारोहण में सहयोग करने वाली कंपनी से संपर्क साधने में सफलता पाई। आखिरकार सात हजार छह सौ मीटर की ऊंचाई पर उन्हें हेलिकॉप्टर के जरिये बचा लिया गया। इस स्थान पर वह अर्द्धचेतन अवस्था में गिरते-पड़ते पहुंची। इस तरह वह डेथ जोन से बाहर निकली। दरअसल, एनसीसी के दौरान मिले सैन्य प्रशिक्षण और हिमाचल की पृष्ठभूमि ने उसे इतना मजबूत बनाया कि वह अंतिम समय तक मौत से लड़ती रही। उसके योग के ज्ञान ने भी उसे आंतरिक ताकत दी।दरअसल, कई दुरुह पहाडियों पर तिरंगा फहरा चुकी जीवटता की धनी बलजीत ने इस बार अन्नपूर्णा चोटी पर बिना ऑक्सीजन के चढने का मन बनाया था। लेकिन पर्वतारोहण में मदद करने वाली कंपनी ने उनके जीवन के साथ खिलवाड़ किया। चोटी पर चढने में सहयोग करने वाले अनुभवी शेरपा उन्हें कंपनी ने उपलब्ध नहीं कराये। नौसिखिये और गैरजिम्मेदार शेरपाओं ने चोटी फतह करने के बाद लौटते वक्त उनकी जान जोखिम में डाल दी। उनके शरीर पर अधिक ऊंचाई पर होने वाली बीमारी का प्रभाव दिखने लगा था। दरअसल, समुद्रतल से एक खास ऊंचाई पर पहुंचने के बाद शरीर में ऑक्सीजन तीव्र गति से घटने लगती है, जिससे दिमाग पर खासा प्रतिकूल असर दिखता है। पर्वतारोहियों का खून जमने से शरीर को लकवा तक मार जाता है।दरअसल, मौत के मुंह से बलजीत की वापसी उसके आत्मबल, एनसीसी के बाद सैन्य प्रशिक्षण, पहाड़ के परिवेश में जीवन-यापन और भयावह परिस्थितियों से साम्य बैठाने के अद्भुत गुण से संभव हो पायी। वह बिना आक्सीजन के घातक परिस्थितियों में शिखर तक की सौ मीटर की दूरी 24 घंटे में पूरी कर सकी। ऐसे हालात में जब जटिल परिस्थितियों में उसका दिमाग भी साथ नहीं दे रहा था, वह हाई ऑल्टीट्यूड सेरेब्रल एडिमा की शिकार हो रही थी। उसकी लड़ाई सिर्फ बेहद दुरुह अन्नपूर्णा चोटी की खतरनाक स्थितियों से ही नहीं थी बल्कि उसका दिमाग भी उसके विरुद्ध खड़ा हो गया था। वह दिमाग से भी लड़ रही थी। साढ़े सात हजार मीटर की ऊंचाई पर दिमाग भरमा रहा था कि वह अपने कैंप में लौट आई है। उसे कुछ समय के लिये नींद भी आई। ऐसी स्थितियों में अक्सर पर्वतारोही जान गंवा देते हैं। मगर सेना का प्रशिक्षण उसके काम आया। वह दिमाग की साजिशों से लड़ती रही। वह अपने शरीर को नीचे की ओर घसीट रही थी। वह कुछ मीटर फिसल कर गिरी भी, लेकिन सुरक्षा के लिये बांधे एंकर ने उसे खाइयों में गिरने से बचाया।फिर पर्वतारोहियों की मदद के लिये दिये गये यंत्र गार्मिन डिवाइस के मदद से उसने मददगार कंपनी से संपर्क साधा और आपातकालीन बचाव की गुहार लगायी। कंपनी के आपातकालीन फोन से संपर्क नहीं हुआ तो दूसरे नंबर पर संपर्क साधा। एक घंटे तक कोई जवाब नहीं मिला। खाने-पीने का सामान खत्म हो चुका था। लेकिन परिवार द्वारा दिये गये जीवटता के संस्कारों ने उसे मदद की। उसका दृढ़ विश्वास था कि पर्वत किसी की जान नहीं लेना चाहते हैं। हालांकि खतरनाक अन्नपूर्णा पर्वत पर पर्वतारोहियों की मृत्यु दर पच्चीस फीसदी है। वह खुद को घसीटकर उतर रही थी कि उसका संदेश मिलने के बाद बचाव के लिये हेलिकॉप्टर आए और लॉन्ग लाइन के जरिये उन्हें उठाया गया। फिर उपचार के लिये काठमांडू लाया गया।इस तरह दो दिन दो रात अन्नपूर्णा चोटी पर बिना आक्सीजन के रहने के बाद बच पाना किसी चमत्कार से कम न था। दुनिया उन्हें मृत मान चुकी थी और सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि दी जा रही थी। लेकिन उनकी मां को विश्वास था बेटी लौटेगी और आखिरकार उससे बात भी हुई। उसका उपचार करने वाले डॉक्टर भी उसके जीवित रहने को एक चमत्कार ही मान रहे थे। दुनिया की दसवीं सबसे ऊंची चोटी को फतह करके लौटी बलजीत निस्संदेह जीवटता की मिसाल है। उसे दूसरा जीवन मिला है।

अरुण नैथानी

पोषण का रामबाण है भारत का पशुधन

पशुपालन का अभ्यास अब एक विकल्प नहीं है, बल्कि समकालीन परिदृश्य में एक आवश्यकता है। इसके सफल, टिकाऊ और कुशल कार्यान्वयन से हमारे समाज के निचले तबके की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। पशुपालन को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, कृषि, शोध और पेटेंट से जोड़ने से भारत को दुनिया का पोषण शक्ति केंद्र बनाने की हर संभव क्षमता है। पशुपालन भारत के साथ-साथ विश्व के लिए अनिवार्य आशा, निश्चित इच्छा और अ त या व श्य क रामबाण है।

पशुपालन का तात्पर्य पशुधन पालने और चयनात्मक प्रजनन से है। यह जानवरों का प्रबंधन और देखभाल है जिसमें लाभ के लिए जानवरों के अनुवांशिक गुणों और व्यवहार को और विकसित किया जाता है। भारत का पशुधन क्षेत्र दुनिया में सबसे बड़ा है। लगभग 20.5 मिलियन लोग अपनी आजीविका के लिए पशुधन पर निर्भर हैं। सभी ग्रामीण परिवारों के औसत 14त्न की तुलना में छोटे कृषि परिवारों की आय में पशुधन का योगदान 16त्न है। पशुधन दो-तिहाई ग्रामीण समुदाय को आजीविका प्रदान करता है। यह भारत में लगभग 8.8त्न आबादी को रोजगार भी प्रदान करता है। भारत में विशाल पशुधन संसाधन हैं। पशुधन क्षेत्र 4.11त्न सकल घरेलू उत्पाद और कुल कृषि सकल घरेलू उत्पाद का 25.6त्न योगदान देता है। पशुधन आय ग्रामीण परिवारों के लिए आय का एक महत्वपूर्ण माध्यमिक स्रोत बन गया है और किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पशुधन किसानों की अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत में किसान मिश्रित कृषि प्रणाली को बनाए रखते हैं यानी फसल और पशुधन का संयोजन जहां एक उद्यम का उत्पादन दूसरे उद्यम का इनपुट बन जाता है जिससे संसाधन दक्षता का एहसास होता है। पशुधन विभिन्न तरीकों से किसानों की सेवा करता है। पशुधन भारत में कई परिवारों के लिए सहायक आय का एक स्रोत है, विशेष रूप से संसाधन गरीब जो जानवरों के कुछ सिर रखते हैं। दूध की बिक्री के माध्यम से गायों और भैंसों को दूध देने से पशुपालकों को नियमित आय प्राप्त होगी। भेड़ और बकरी जैसे जानवर आपात स्थितियों जैसे विवाह, बीमार व्यक्तियों के इलाज, बच्चों की शिक्षा, घरों की मरम्मत आदि को पूरा करने के लिए आय के स्रोत के रूप में काम करते हैं। जानवर चलती बैंकों और संपत्ति के रूप में भी काम करते हैं जो मालिकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करते हैं।

भारत में कम साक्षर और अकुशल होने के कारण बड़ी संख्या में लोग अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं। लेकिन कृषि प्रकृति में मौसमी होने के कारण एक वर्ष में अधिकतम 180 दिनों के लिए रोजगार प्रदान कर सकती है। कम भूमि वाले लोग कम कृषि मौसम के दौरान अपने श्रम का उपयोग करने के लिए पशुओं पर निर्भर करते हैं। पशु उत्पाद जैसे दूध, मांस और अंडे पशुपालकों के सदस्यों के लिए पशु प्रोटीन का एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं। दूध की प्रति व्यक्ति उपलब्धता लगभग 355 ग्राम/दिन है; अंडे 69/वर्ष है;।जानवर समाज में अपनी स्थिति के संदर्भ में मालिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करते हैं। परिवार विशेष रूप से भूमिहीन जिनके पास जानवर हैं, उनकी स्थिति उन लोगों की तुलना में बेहतर है जिनके पास पशु नहीं हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में शादियों के दौरान जानवरों को उपहार में देना एक बहुत ही सामान्य घटना है। पशुपालन भारतीय संस्कृति का अंग है। जानवरों का उपयोग विभिन्न सामाजिक धार्मिक कार्यों के लिए किया जाता है। गृह प्रवेश समारोहों के लिए गायें; उत्सव के मौसम में बलिदान के लिए मेढ़े, हिरन और चिकन; विभिन्न धार्मिक कार्यों के दौरान बैल और गायों की पूजा की जाती है। कई मालिक अपने जानवरों से लगाव विकसित करते हैं। पशुपालन लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है। पशुधन उत्पादन में श्रम की तीन-चौथाई से अधिक मांग महिलाओं द्वारा पूरी की जाती है। पशुधन क्षेत्र में महिलाओं के रोजगार की हिस्सेदारी पंजाब और हरियाणा में लगभग 90त्न है जहां डेयरी एक प्रमुख गतिविधि है और जानवरों को स्टाल-फेड किया जाता है। बैल भारतीय कृषि की रीढ़ की हड्डी हैं। भारतीय कृषि कार्यों में यांत्रिक शक्ति के उपयोग में बहुत प्रगति के बावजूद, भारतीय किसान विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी विभिन्न कृषि कार्यों के लिए बैलों पर निर्भर हैं।

बैल ईंधन पर काफी बचत कर रहे हैं जो यांत्रिक शक्ति जैसे ट्रैक्टर, कंबाइन हार्वेस्टर आदि का उपयोग करने के लिए एक आवश्यक इनपुट है। बैलों के अलावा देश के विभिन्न भागों में सामान ढोने के लिए ऊंट, घोड़े, गधे, खच्चर आदि जैसे पैक जानवरों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। पहाड़ी इलाकों जैसी स्थितियों में माल परिवहन के लिए खच्चर और टट्टू ही एकमात्र विकल्प के रूप में काम करते हैं। इसी तरह, ऊंचाई वाले क्षेत्रों में विभिन्न वस्तुओं के परिवहन के लिए सेना को इन जानवरों पर निर्भर रहना पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में गोबर का उपयोग कई उद्देश्यों के लिए किया जाता है जिसमें ईंधन (गोबर के उपले), उर्वरक (खेत यार्ड खाद), और प्लास्टरिंग सामग्री (गरीब आदमी की सीमेंट) शामिल हैं।

कृषि पशुओं की उत्पादकता में सुधार करना प्रमुख चुनौतियों में से एक है। भारतीय मवेशियों की औसत वार्षिक दुग्ध उपज 1172 किलोग्राम है जो वैश्विक औसत का लगभग 50 प्रतिशत है। खुरपका और मुंहपका रोग, ब्लैक क्वार्टर संक्रमण जैसी बीमारियों का लगातार प्रकोप; इन्फ्लुएंजा, आदि पशुधन स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं और उत्पादकता को कम करते हैं। भारत में जुगाली करने वालों की विशाल आबादी ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में योगदान करती है। शमन और अनुकूलन रणनीतियों के माध्यम से ग्रीनहाउस गैसों को कम करना एक बड़ी चुनौती होगी।

विभिन्न प्रजातियों की आनुवंशिक क्षमता को बढ़ाने के लिए विदेशी स्टॉक के साथ स्वदेशी प्रजातियों का क्रॉसब्रीडिंग केवल एक सीमित सीमा तक ही सफल रहा है। कृत्रिम गर्भाधान के बाद खराब गर्भाधान दर के साथ मिलकर गुणवत्ता वाले जर्मप्लाज्म, बुनियादी ढांचे और तकनीकी जनशक्ति में कमी के कारण सीमित कृत्रिम गर्भाधान सेवाएं प्रमुख बाधाएँ रही हैं। इस क्षेत्र को कृषि और संबद्ध क्षेत्रों पर कुल सार्वजनिक व्यय का लगभग 12 प्रतिशत प्राप्त हुआ, जो कि कृषि सकल घरेलू उत्पाद में इसके योगदान की तुलना में अनुपातहीन रूप से कम है। वित्तीय संस्थानों द्वारा इस क्षेत्र की उपेक्षा की गई है।

मांस उत्पादन और बाजारः इसी तरह, वध सुविधाएं अपर्याप्त हैं। कुल मांस उत्पादन का लगभग आधा अ प ं जी क ृ त, अ स्थ ा य ी बूचड़खानों से आता है। पशुधन उत्पादों के विपणन और लेनदेन की लागत बिक्री मूल्य का 15-20 प्रतिशत अधिक है। बढ़ती आबादी के साथ, खाद्य मुद्रास्फीति में लगातार वृद्धि, किसानों की आत्महत्या में दुर्भाग्यपूर्ण वृद्धि के बीच भारत की अधिकांश आबादी का प्राथमिक व्यवसाय कृषि है, पशुपालन का अभ्यास अब एक विकल्प नहीं है, बल्कि समकालीन परिदृश्य में एक आवश्यकता है। इसके सफल, टिकाऊ और कुशल कार्यान्वयन से हमारे समाज के निचले तबके की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। पशुपालन को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, कृषि, शोध और पेटेंट से जोड़ने से भारत को दुनिया का पोषण शक्ति केंद्र बनाने की हर संभव क्षमता है। पशुपालन भारत के साथ-साथ विश्व के लिए अनिवार्य आशा, निश्चित इच्छा और अत्यावश्यक रामबाण है।

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

पतराटोली ने जीता अटल कप और 51 हजार रुपए

» अटल बिहारी वाजपेई स्मृति रात्रि कालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत मेंड्रा कला में चल रहे अटल बिहारी वाजपेई स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन फाइनल मुकाबला के साथ किया गया। फाइनल मैच पतराटोली एवं महेशपुर के बीच खेला गया। जिसमें पतराटोली की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 84 रन बनाए और 85 रन के लक्ष्य के पीछा करने उतरी महेशपुर की टीम को 35 रन से हराया।

नवयुवक संगठन मेंड्रा कला द्वारा यह क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था जिसमें 32 टीमों ने भाग लिया तथा साथ ही कई मैत्री मैच भी खेले गए जिसमें अंबिकापुर के डॉक्टर से 11 एवं एडवोकेट 11, पटवारी एवं आम नागरिक, इंजीनियर एवं डॉक्टर की टीमों के बीच हुए मैच भी टूर्नामेंट के आकर्षण का केंद्र रहे। 18 दिनों तक चले इस प्रतियोगिता का उद्घाटन छत्तीसगढ़ के पूर्व गृह मंत्री एवं राज्यसभा सांसद रामविचार नेताम, भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, मेजर अनिल सिंह, भारत सिंह सिसोदिया, आलोक दुबे एवं प्रतियोगिता के संरक्षक भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष एवं अंबिकापुर नगर निगम के पार्षद विश्वविजय सिंह तोमर किया गया था। जिसमें भाजपा मंडल अध्यक्ष राम केश्वर राजवाड़े महामंत्री विवेक सिंह, संजय राजवाड़े, जनपद सदस्य मटुक दास एवं अन्नू यादव, जय सिंह, राम पहल राम राजवाडे एवम ग्राम के वरिष्ठ जनो की उपस्थिति में संपन्न हुआ। फाइनल में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सोनी ने कहा कि जिस प्रकार से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है, ऐसा लगता है जैसे नेशनल स्तर का कोई टूर्नामेंट चल रहा हो। उन्होंने आयोजन समिति को इस सफल आयोजन के लिए बहुत-बहुत बधाई दी।

प्रतियोगिता के संरक्षक विश्व विजय सिंह तोमर ने कहा अटल बिहारी वाजपेई युवाओं के आदर्श हैं। इस देश को आगे ले जाने में उनका अहम योगदान है और उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य का गठन किया है। इसलिए नवयुवक समिति मेंड्रा कला ने उनके नाम पर इस आयोजन को करा करके उनको सच्ची श्रद्धांजलि दी है।

कार्यक्रम का संचालन दिगंबर यादव ने किया। समापन समारोह में जनपद उपाध्यक्ष बिंशुन दास महंत, श्यामसुंदर ठाकुर, बड़हा राम मींज, सरपंच सुमित्रा देवनंदन तिर्की नवयुवक समिति मेंड्रा कला के अध्यक्ष मनोहर मिंज, दिगम्बर यादव, विनय राज ठाकुर, केवल यादव, मुन्ना गुप्ता, रोहित मिंज, अनिल मिंज, बुलबुल , राजेश, रामकुमार, देवाचंद, शिवलोचन, दिलदार, सूरज, प्रमोद, हिमालय, संतलाल एवम अन्य युवा सक्रिय रहे।

20 दिन बाद भी नहीं प्रस्तुति किया जा सका मां महामाया प्रवेश द्वार का ड्राईंग डिजाईन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

महामाया प्रवेश द्वारा के संबंध में नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष प्रबोध मिंझ ने महापौर को पत्र लिखकर अतिशीघ्र कार्य शुरू कराने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष ने ज्ञापन उल्लेख किया है कि आस्था का महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक केन्द्र महामाया मंदिर का स्वागत द्वार महामाया मंदिर मार्ग चौड़ीकरण के समय हटा दिया गया था जिसके पुर्ननिर्माण के लिए नगरवासियों एवं नगर के जनप्रतिनिधियों द्वारा विगत 5-6 माह से लगातार प्रयास किया जा रहा है। नागरिकों द्वारा भी समिति बनाकर महामाया द्वार निर्माण हेतू राशि एकत्रित की जा रही थी। 5 अप्रैल को आयोजित सामान्य सभा की बैठक में महामाया स्वागत द्वार निर्माण के संबंध में सदन में विस्तार से चर्चा की भी हुई है एवं सदन में महापौर द्वारा महामाया कारीडोर के निर्माण हेतू शासन से राशि स्वीकृति की जानकारी भी दी गई थी। वहीं अतिरिक्त विषय के रूप में महामाया कारीडोर के निर्माण के लिए समस्त पार्षदों एवं एल्डरमेन द्वारा भी एक-एक लाख रुपए पार्षद निधि से स्वीकृति की सहमति प्रदान की गई है। जिसके अनुरूप में भव्य महामाया प्रवेश द्वारा एवं कारीडोर निर्माण का प्राकलन एवं नक्शा 10 दिनों के अन्दर निर्माण कर सदन के प्रमुख सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करने का प्रस्ताव पारित किया गया था। मा महामाया प्रवेश द्वार निर्माण समिति एवं नागरिकों द्वारा भी सामान्य सभा के बैठक के दिन सैकड़ों की संख्या में आकर इस संबंध में निगम का ध्यान आकृष्टि कराया था। परंतु 20दिन गुजर जाने के बाद भी इसका ड्राईंग डिजाईन प्रस्तुत नहीं किया जा सका है। नेता प्रतिपक्ष ने महापौर को इस कार्य को गंभीरता से लेते हुए अतिशीघ्र कार्यवाही कराने की मांग की है।

जिला उपभोक्ता आयोगों में जल्द होगी स्थाई सदस्यों की नियुक्ति, न्यायालय में याचिका दायर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य में विभिन्न जिला उपभोक्ता आयोगों में अध्यक्षों और सदस्यों की नियुक्ति में हो रहे अनावश्यक विलम्ब को देखते हुए याचिकाकर्ता अधिवक्ता डीके सोनी ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर में जनहित याचिका लगाया है। चायिका में न्यायालय को बताया कि राज्य शासन जिला उपभोक्ता आयोगों में साक्षात्कार के बाद भी अध्यक्षों एवं सदस्यों की नियुक्ति नहीं कर रही है। जिससे नियुक्तियों में अनावश्यक विलम्ब हो रहा है। जिससे कई जिला आयोगों में कोरम पूरा नहीं होने से लंबे समय से सुनवाई प्रभावित है और इससे होने वाले नुकसान को केवल पीड़ित उपभोक्ताओं को ही उठाना पड़ रहा है। इस मामले में सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति संजय के अग्रवाल की युगल पीठ ने राज्य शासन से नियुक्तिओं में हो रहे विलम्ब के सम्बन्ध में जवाब मांगा। जिसपर राज्य शासन की ओर से महाधिवक्ता ने अध्यक्षों की नियुक्ति आदेश जारी होने तथा सदस्यों के मामलों में सरगुजा में अस्थाई तौर पर बैकुंठपुर के सदस्य का संलग्नीकरण किए जाने की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने न्यायायलय को आश्वासन दिया है कि जल्द ही कानून के अनुसार स्थाई नियुक्ति कर दी जाएगी। महाधिवक्ता के आश्वासन के बाद न्यायलय द्वारा जनहित याचिका का निराकरण कर दिया गया। याचिका कर्ता डीके सोनी ने कहा है कि न्यायालय में जनहित याचिका के बाद एक उम्मीद बनी है कि सरगुजा सहित कई रिक्त जिला आयोगों में जल्द से जल्द स्थाई सदस्यों की नियुक्ति कर दी जाएगी, क्योंकि सरगुजा में दोनों स्थाई सदस्यों का पद लगभग 2 साल से अधिक समय से रिक्त है।

स्वच्छता अध्ययन भ्रमण के तीसरे चरण में पहुंचे केरव व झारखंड के 18 सदस्सीय दल

अंबिकापुर,28 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

भारत सरकार आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के निर्देश पर स्वच्छ यात्रा अंतर्गत 28 अप्रैल को अंबिकापुर अध्ययन भ्रमण के तृतीय चरण में देश के 2 राज्य केरल एवं झारखंड से 18 सदस्यीय दल आया है। भ्रमण के प्रथम दिवस कार्यशाला में निगम आयुक्त प्रतिष्टा ममगाई द्वारा अंबिकापुर मॉडल को विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि अंबिकापुर में नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारी एवं स्वच्छता दीदियों से संयुक्त प्रयास और प्रबंधन संबधी व्याख्यान दिया गया। कार्यशाला में अन्य राज्य से आए प्रतिनिधियों को अंबिकापुर में चल रहे एसएलआरएम मॉडल की विस्तृत जानकारी प्रेजेंटेशन द्वारा दी गई। स्वच्छता दीदियों द्वारा अपने कार्य अनुभव एवं कार्य प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया गया। दल में आए केरल एवं झारखंड के समूह द्वारा भी उनके नगर में समूह द्वारा चल रहे कार्य अनुभव के बारे में बताया गया। दल द्वारा एसएलआरएम केंद्र एवं घुटरापारा गौठान का भ्रमण किया गया। ये भ्रमण शनिवार को दूसरे दिन भी जारी रहेगा। भ्रमण के दौरान निगम के अधिकारी, कर्मचारी सहित स्वच्छता दीदियां उपस्थित रहीं।

प्राकृतिक सुंदरता के साथ आम आदमी के बजट में महेश्वर रिद्धि-सिद्धि वैली सरगवां द पैलेस रिसॉर्ट शुरू

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

महेश्वर रिद्धि-सिद्धि वैली सरगवां द पैलेस रिसॉर्ट प्राकृतिक सुंदरता के साथ आम आदमी के बजट में लोगों को घर से बाहर राजसी ठाटबाट जैसी सुविधा देने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसके पट आज 27 अप्रैल से आम लोगों के लिए खुल चुके हैं और इसका विधिवत शुभारंभ 30 अप्रैल को सरगुजा महाराज टीएस सिंहदेव करेंगे। सरगुजा संभाग मुख्यालय में नई सोच के साथ इस अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ इस रिसॉर्ट की नींव रखी है। विन्ध्येश्वर शरण सिंहदेव (रिंकी बाबा) और उनकी धर्मपत्नी कुमकुम शरण सिंहदेव ने इस रिसॉर्ट की खासियत यह है कि यहां प्रवेश करते ही लोगों को राजसी माहौल का एहसास होगा। अपने तरह के इस अनूठे और नए रिसॉर्ट में बैंकवेट हॉल, पार्टी लॉन, अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त 42 कमरे, निजी कॉटेज, एनेक्स क्लब जैसी सुविधाएं लोगों को मिलेंगी। इस रिसॉर्ट में मल्टीकनिज रेस्टोरेंट फ्लेवर्स में लोगों को शानदार लजीज व्यंजनों का भी स्वाद मिल सकेगा। यहां बनाए गए बेहतरीन कॉटेज घर से बाहर प्रकृति के बीच में रहने का भी एहसास कराएंगे। महानगरों के समान सुविधा देने वाले महेश्वर रिद्धि-सिद्धि यहां के स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित कर रहा है।

नशे के कारोबार पर थाना विश्रामपुर पुलिस की कार्यवाही

» 42 हजार रूपये कीमत के नशीली इंजेक्शन सहित 1 गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर,28 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा रेंज श्री राम गोपाल गर्ग (भा.पु.से.) के सतत् मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सूरजपुर रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देश पर अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही जारी है। इसी क्रम में शुक्रवार को थाना विश्रामपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि दशहरा मैदान विश्रामपुर के पास रोहित मिश्रा उर्फ बाटूल निवासी विश्रामपुर अपने पास नशीली मादक पदार्थ इंजेक्शन रखकर बिक्री करने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व सीएसपी जे.पी.भारतेन्दु के मार्गदर्शन में थाना विश्रामपुर की पुलिस ने सूचना के आधार पर घेराबंदी कर रोहित मिश्रा उर्फ बाटूल पिता स्व. माधव मिश्रा उम्र 25 वर्ष निवासी झोपड़पट्टी, थाना विश्रामपुर को पकड़ा जिसके कब्जे से 38 नग एविल इंजेक्शन व 46 नग रेक्सोजेसिक इंजेक्शन कुल 84 नग नशीली इंजेक्शन जप्त किया गया जिसकी बाजारू कीमत करीब 42 हजार रूपये है। मामले में नशीली इंजेक्शन जप्त कर धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए आरोपी रोहित मिश्रा उर्फ बाटूल को विधिवत् गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी के.डी.बनर्जी, एएसआई रंजीत सोनवानी, प्रवीण राठौर, प्रधान आरक्षक इन्द्रजीत सिंह, अविनाश सिंह, रामनिवास तिवारी, सौरभ सिंह, आरक्षक मनोज शर्मा, उमेश राजवाड़े, जयप्रकाश यादव, खेलसाय, दीपक दुबे, ललन सिंह व योगेश कंवर सक्रिय रहे।

डॉ0 भीमराव अम्बेडकर विद्यालय का परीक्षा परिणाम घोषित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

डॉ0भीमराव अम्बेडकर विद्यालय सुभाषनगर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें परीक्षार्थीयों रका रिजल्ट शत प्रतिशत रहा। प्रचार्य सुश्री शबीना खान के द्वारा बताया गया कि सब 2022-23 का परीक्षा परिणाम विद्यालय के कक्षा नर्सरी में आरव घोष 90 प्रतिशत , कक्षा-पहली में सोयब खान 92 प्रतिशत, वहीं दूसरी कक्षा में वंशिका भारद्वाज 96 प्रतिशत, तीसरी नीधि दास 93 प्रतिशत , चौथी आशी सुतार, पांचवी स्नेघा गुप्ता 97 प्रतिशत, छठवी में विभूति अग्रवाल 97 प्रतिशत, सातवी में अनीसा पाल 97 प्रतिशत आठवी की पूर्णिमा पटेल 92 प्रतिशत, वही कक्षा नवमी में किरण अगारिया 95 प्रतिशत, लेकर अव्वल रही है। जो बधाई के पात्र है।

विद्यालय के प्राचार्या शबीना खान द्वारा बताया गया कि हम समाज के शिक्षा के क्षेत्र में विद्यायलीन फीस ही कम लिया जाता है। ताकि समाज में साक्षरता का स्तर बढ़ाया जा सके। विद्यालय में अच्छे योग्यता शिक्षिका व शिक्षक के द्वारा हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम छत्तीसगढ़ बोर्ड की पुस्तकों से अध्यापन कराया जाता है। इसके साथ शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 का पूर्ण रूपेण पालन गरीब बच्चों के एक में कराया जाता हैं।

रामानुजनगर के ग्राम पंचायत बरबसपुर मे आयोजित हुआ समाधान शिविर

» कांग्रेस पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष महेन्द्र साहू रहे उपस्थित

- संवाददाता -
रामानुजनगर,28 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

विकासखंड स्तरीय जन समस्या समाधान शिविर आयोजन ग्राम आदर्श ग्राम बरबसपुर के ग्राम पंचायत भवन में किया गया। शिविर मे ओबीसी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सुरजपुर श्री महेंद्र साहू (मेही साहू] एसडीएम श्री नंद जी पांडे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रामानुजनगर श्री संजय राय, समेत सभी विभाग के विभाग प्रमुख और कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा सभी विभागीय अधिकारी विभागीय कार्यों की जानकारी दिए तथा आवश्यक निर्देश दिए। विभागीय अधिकारी अपने-अपने विभाग की योजनाओं को आम जनों को जानकारी दिया तथा आमजन से आग्रह किया कि इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएं शिविर में शिविर को संबोधित करते हुए महेंद्र साहू ने सरकार के विभिन्न योजनाओं की जानकारी दिया तथा छत्तीसगढ़ सरकार माननीय मुख्यमंत्री जी के गौठान योजना, मुख्यमंत्री खाद्यान्न योजना, वन अधिकार पट्टा, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, बिजली बिल हाफ योजना, राजीव गांधी न्याय योजना आदि का जानकारी दिया। आ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाओ, रसोइया, मितानीन, कोटवार, ग्राम पटेल,पेंशनधारियो का पेंशन बढ़ाइ जाने पर माननीय मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त किया ग्रामीणों के मांग पर आत्मानंद इंग्लिश मीडियम गणेशपुर में खुलवाने का प्रयास करने एवम पी डी एस भवन के मांग पर खाद्य मंत्री जी को प्रस्ताव भेजने का जल्द ही निर्माण कराने का आश्वान दिया गया।

शिविर में स्वास्थ्य विभाग से डॉक्टर राजेश पटेल, विजय सिंह विद्युत विभाग से श्री तिर्की आंगनबाड़ी से श्रीमती धनेश्वरी मरावी शिक्षा विभाग से मनोज कुमार साहू शिविर प्रभारी करारोपण अधिकारी नर्मदा सिंह कमलभान दुबे, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के एस डी ओ कुजूर जी वन विभाग श्रम विभाग खाद्य विभाग मीना मिंज पी एच ई विभाग के इंजीनियर वन विभाग राजस्व विभाग सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी तथा आम जन उपस्थित थे।

रामानुजनगर के हाई स्कूल पटना में परीक्षा परिणाम के साथ किया गया पुस्तक वितरण

- संवाददाता -
रामानुजनगर,28 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

विकासखंड रामानुजनगर के हाई स्कूल पटना में कक्षा नवमीं का विद्यार्थीओं को परीक्षा परिणाम अंकसूची एवं पाठ्य पुस्तक विरतण कार्यक्रम सरपंच विमला सिंह मरावी एवं शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष धर्म चन्द सिंह मरावी के गरिमामई उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा नवमीं के विद्यार्थीओं को वर्ष 2022-23 का परीक्षा परिणाम अंकसूची के साथ कक्षा 10 वीं का पाठ्य पुस्तक वितरण किया गया। कक्षा नवमीं प्रथम,द्वितीय, तृतीत स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय के प्राचार्य के सौजन्य से प्रोत्साहन के रुप में मुख्य अतिथि के कर कमलों से कापी,पेन देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि सरपंच श्रीमती सिंह ने नवमीं के छात्र छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए सरकार के द्वारा शिक्षा को बढ़ावा देने के चल योजना के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया तथा बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष धर्म चन्द सिंह मरावी ने विद्यार्थियों को जीवन में शिक्षा के महत्व एवं वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के परिस्थिति को प्रकाश डाला गया व अभी से ही लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई करने की बात कही। विद्यालय के प्राचार्य भगवान राम ठाकुर ने कक्षा नवमीं के परिणाम के संबंध में कहा कि जो बच्चे कक्षा में श्रेष्ठ अंक हासिल किये हैं यह उनके कड़ी मेहनत का परिणाम है,और जो कम अंक प्राप्त किये हैं वे पूरी लगन के साथ लगातार पढ़ाई करें , निरंतर विद्यालय आये हम लोग हमेशा आप लोगों के बेहतर पढ़ाई के लिए समर्पित हैं। आज से आप लोग कक्षा 10 वीं में प्रवेश कर रहे हैं कक्षा 10 वीं बोर्ड परीक्षा है इसलिए आज से ही आप लोग पढ़ाई की तैयारियां प्रारंभ कर दें। परीक्षा करीब आने पर विद्यार्थी तैयारी के अभाव में कई विद्यार्थी को परीक्षा से डरने लगता है और जिससे वह उच्चतम अंक हासिल करने चूक जाता है। इस दौरान विद्यालय के शिक्षिका पनमेशवरी सिंह, हीरालाल यादव, अनिल कुमार राजवाड़े सहित विद्यालय के छात्र छात्राएं भारी संख्या में उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट में की गई तोड़फोड़ मामले में भाजयुमो के जिलाध्यक्ष रविन्द्र भारती सहित आधा दर्जन कार्यकर्ताओ के खिलाफ जुर्म दर्ज

- संवाददाता -
सूरजपुर,28 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

गुरुवार को भाजयुमो द्वारा कलेक्ट्रेट में की गई तोड़फोड़ मामले में कोतवाली पुलिस ने भाजयुमो के जिलाध्यक्ष रविन्द्र भारती सहित आधा दर्जन कार्यकर्ताओ के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है।बेरोजगारी भत्ता में कड़े नियमो को लेकर सरकार के खिलाफ गुरुवार को भाजयुमो ने यहां धरना प्रदर्शन व कलेक्टरेट में तालाबन्दी का कार्यक्रम आयोजित किया था।जिसके मद्देनजर पुलिस ने सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए थे बाबजूद इसके भाजयुमो कार्यकर्ता पुलिस की सुरक्षा को धता बताते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में न केवल घुस गए बल्कि कलेक्टर चेंबर के गेट तक पहुँच कर तोड़फोड़ कर दिया इस दौरान कुछ कार्यकर्ता चोटिल भी हुए और महामंत्री तो बेहोश तो हो गए थे। तोड़फोड़ के इस मामले में संयुक्त कलेक्टर की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने रविन्द्र भारती समेत महामंत्री संस्कार अग्रवाल,किशन देवांगन,आकाश साहू व प्यारे साहू के विरुद्ध 147,148 व शासकीय सम्पत्ति विरूपण की धारा 3 के तहत अपराध दर्ज किया है।

विदेश मंत्री जयशंकर पहुंचे सेंटो डोमिंगो, डोमिनिकन गणराज्य की पहली आधिकारिक यात्रा

सेंटो डोमिंगो (डोमिनिकन गणराज्य),28 अप्रैल 2023। भारत के विदेश मंत्री (ईएएम) एस जयशंकर शुक्रवार को सेंटो डोमिंगो पहुंचे। डोमिनिकन गणराज्य देश की यह उनकी पहली आधिकारिक यात्रा है। विदेश मंत्री जयशंकर ने शुक्रवार को ट्वीट किया, ÷अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के लिए सेंटो डोमिंगो पहुंचा। गर्मजोशी से स्वागत के लिए उप मंत्री जोसे जूलियो गोमेज को धन्यवाद। डोमिनिकन गणराज्य में अपने कार्यक्रमों के लिए तत्पर हूं।

इससे पहले जयशंकर ने गुरुवार को कोलंबिया में कहा, भारत लैटिन अमेरिका के साथ अपना व्यापार बढ़ाना चाहता है जो 50 अरब डॉलर के करीब पहुंच रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि खनन, ऊर्जा, कृषि और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में निवेश में अच्छी खासी ग्रोथ से इसे और बढ़ावा मिलेगा।

कोलंबिया की राजधानी में भारत-कोलंबिया बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लैटिन अमेरिका के चार देशों की उनकी यात्रा का उद्देश्य क्षेत्र के साथ भारत के सहयोग के स्तर को और अच्छा करना है। उन्होंने कहा कि आज यहां आने का हमारा उद्देश्य लैटिन अमेरिका में भारत की बढ़ती उपस्थिति को उजागर करना है। हमारे बीच व्यापार सालाना 50 अरब डालर तक पहुंच रहा है। हमारी कंपनियां ऊर्जा, खनन से लेकर कृषि व ऑटो क्षेत्र में महत्वपूर्ण निवेश कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां लैटिन अमेरिका में परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रही हैं, जिसमें बुनियादी ढांचा, बिजली पारेषण और खनन शामिल हैं। साथ ही शिपिंग और विमानन क्षेत्र में भी उत्पाद वितरित कर रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि हमारा व्यापार का संबंध है। हम स्वाभाविक रूप से इसका विस्तार करना चाहते हैं।

महामारी के दौरान भारत ने साबित किया कि यह दुनिया की फार्मेसी हैः जयशंकर

जयशंकर ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने लगभग 100 देशों को टीके और 150 देशों सहित विकसित देशों को दवाओं की आपूर्ति करके सही मायने में स्थापित किया कि यह दुनिया की फार्मेसी है। उन्होंने कहा कि तथ्य यह है कि कोविड-19 ने हम सभी को स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक बनाया है, लेकिन आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों के बारे में भी जागरूक किया है। लागत भी एक प्रासंगिक कारक है। यदि हम अधिक स्रोतों, क्षेत्रीय उत्पादन और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण को देख रहे हैं, तो मैं कोलम्बियाई दोस्तों को सुझाव दूंगा कि भारतीय उद्योग आपका स्वाभाविक भागीदार है।

भारत और कोलंबिया के बीच जुड़ते संबंधों पर जयशंकर ने कहा कि भारत में एक पारंपरिक चिकित्सा और कल्याण प्रथा भी है, जिसके मजबूत व्यावसायिक प्रभाव हो सकते हैं। गौरतलब है, जयशंकर गुयाना, पनामा, कोलंबिया और डोमिनिकन गणराज्य की नौ दिवसीय यात्रा पर हैं। विदेश मंत्री के रूप में इन लैटिन अमेरिकी देशों और कैरेबियाई देशों की उनकी पहली यात्रा है।

कराची एक्सप्रेस की बोगी में आग,4 बच्चों समेत 7 की मौत

कराची 28 अप्रैल, 2023। पाकिस्तान के कराची एक्सप्रेस में सुबह ट्रेन की एक बोगी में आग लगने का मामला सामने आया है। ट्रेन हादसे में 4 बच्चों समेत 7 लोगों की मौत होने का समाचार प्राप्त हुआ है बल्कि अन्य लोग घायल है। जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है।

पुलिस के मुताबिक घायलों की हालत बेहद गंभीर है। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। पाकिस्तान रेलवेज के एक अफसर ने कहा कि फिलहाल 7 लोगों की मौत हुई है। घायलों को हर मुमकिन इलाज और मदद मुहैया कराई जा रही है।

पाकिस्तान की एक वेबसाइट के मुताबिक ट्रेन में आग की घटना सिंध प्रांत के खैरपुर जिले के तांदो खान इलाके में हुई। उस वक्त ज्यादातर पैसेंजर सो रहे थे। पाकिस्तान रेलवेज के अफसर मोहसिन सियाल ने इसकी पुष्टि की है।

पुलिस के मुताबिक घटना में 6 शव ऐसे हैं, जिनकी पहचान करना भी मुश्किल हो गया है। बताया जा रहा है कि मृतकों का सबसे पहले इनका डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। इसके बाद इनके शवों को परिजनों को सौंपा जाएगा।

पुलिस ने कहा कि अब तक यह साफ नहीं है कि बोगी में आग किस वजह से लगी। मामले की जांच की जा रही हैं। फायर सेफ्टी डिपार्टमेंट की टीम को भी जांच में लगाया गया है। कराची एक्सप्रेस ट्रेन कराची से लाहौर जा रही थी। रेलवे मिनिस्टर ख्वाजा साद रफीक ने घटना पर अफसोस जाहिर किया है।

डिफॉल्ट कर्ज वसूलने के बांग्लादेश के रिकॉर्ड से खुश नहीं है आईएमएफ

ढाका,28 अप्रैल 2023। बांग्लादेश में कर्ज डिफॉल्ट में लगातार हो रही बढ़ोतरी पर यहां के दौरे पर आए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की टीम ने चिंता जताई है। आईएमएफ ने पिछले वर्ष बांग्लादेश के लिए कर्ज मंजूर करते वक्त डिफॉल्ट कर्ज यानी तमाम नॉर परफॉर्मिंग एसेट्स (एनपीए) को वसूलने की शर्त लगाई थी। वित्त मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक इस मुद्दे पर प्रगति ना होने के कारण आईएमएफ की टीम खुश नहीं है। आईएमएफ की टीम ने वित्त विभाग के अधिकारियों से यहां बातचीत की है।

वित्त मंत्रालय के राजकोषीय प्रभाग के सचिव शेख मोहम्मद सलीम उल्लाह से बातचीत के दौरान आईएमएफ की टीम ने इस बात पर निराशा जताई कि डिफॉल्ट कर्ज की वसूली की प्रक्रिया बहुत धीमी रही है। आईएमएफ ने इसके लिए जो लक्ष्य तय किए थे, उस लिहाज से बांग्लादेश सरकार का रिकॉर्ड बहुत कमजोर रहा है। बांग्लादेश के अधिकारियों ने आईएमएफ की टीम को बताया कि डिफॉल्ट ऋण को वसूलने की मुहिम अब तेज की जा रही है।

वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने आईएमएफ की टीम के सामने डिफॉल्ट कर्ज के बारे में पिछले तीन साल के आंकड़ों का प्रेजेंटेशन किया। इससे यह बात सामने आई कि इस दौरान हर वर्ष ऐसे कर्ज की मात्रा बढ़ती गई है। 2020 में यह 7.66 फीसदी था, जो 2022 के आखिर में 8.16 फीसदी तक पहुंच गया। विश्लेषकों के मुताबिक यह देश में आम लोगों और कारोबारियों की बढ़ती आर्थिक मुश्किलों का संकेत है।

इन आंकड़ों को देखने के बाद आईएमएफ की टीम ने पूछा कि जब डिफॉल्ट कर्ज में बढ़ोतरी हो रही है, तो भविष्य में आखिर बांग्लादेश सरकार इसे किस तरह घटाएगी। इसके जवाब में अधिकारियों ने कहा- लक्ष्य हमेशा अधिक ऊंचे रखे जाते हैं, जिस वजह से उन्हें हासिल करना कठिन नजर आता है। लेकिन इसमें चिंतित होने की कोई बात नही है। भविष्य में लक्ष्य और बढ़ाया जाएगा, जिससे वसूली तेज होगी और डिफॉल्ट कर्ज की मात्रा में कमी आएगी।

विश्लेषकों के मुताबिक आईएमएफ की टीम ने बांग्लादेश सरकार को उसके सामने मौजूद चुनौतियों से आगाह किया है। उसने साफ संकेत दिया है कि जिस आकलन के आधार पर बांग्लादेश को आईएमएफ ने ऋण दिया था, अगर सरकार का प्रदर्शन उसके अनुरूप नहीं रहा, तो बांग्लादेश के बारे में आईएमएफ अपने आकलन पर पुनर्विचार कर सकता है।

सूडान से निकला भारतीयों का 10वां जत्था, कई लोगों की आंखों में दिखे खुशी के आंसू

खार्तूम , 28 अप्रैल 2023। ऑपरेशन कावेरी के तहत भारतीयों का 10वां जत्था सूडान से सऊदी के शहर जेद्दाह के लिए रवाना हो गया है। इस जत्थे में 135 यात्री शामिल हैं। बता दें कि सूडानी आर्मी और पैरामिलिट्री रैपिड सपोर्ट फोर्सेस के बीच 72 घंटे का सीजफायर बढ़ाने पर सहमति बन गई है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारतीय वायुसेना के सी-130जे विमान ने पोर्ट सूडान से जेद्दाह के लिए उड़ान भरी है, जिसमें भारतीयों के 10वें जत्थे के 135 लोग सवार हैं। इस बीच, ऑपरेशन कावेरी के तहत भारतीयों का एक और जत्था भारत पहुंच गया है। एक दूसरी सी-17 फ्लाइट से 392 भारतीय नई दिल्ली पहुंचे हैं।

केंद्रीय मंत्री जेद्दाह में मौजूद

वहीं सूडान से जेद्दाह पहुंच रहे भारतीयों के स्वागत के लिए केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन जेद्दाह में मौजूद हैं। वी मुरलीधरन ने इससे पहले अपने एक ट्वीट में बताया था कि उन्होंने जेद्दाह एयरपोर्ट पर भारतीयों के आठवें जत्थे को रिसीव किया है। इस जत्थे में सूडान में स्थित भारतीय दूतावास के कर्मचारियों के परिजन भी शामिल हैं, जिन्होंने युद्ध ग्रस्त सूडान से निकलने के बाद राहत की सांस ली। सूडान में करीब तीन हजार भारतीय रह रहे थे, ऐसे में माना जा रहा है कि जल्द ही भारत का ऑपरेशन कावेरी सफलतापूर्वक पूरा हो जाएगा।

जेद्दाह से बेंगलुरु के लिए निकले 362 भारतीय

362 भारतीयों का एक जत्था सऊदी अरब के जेद्दाह से बेंगलुरु के लिए निकल गया है। भारत के विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन ने ट्वीट करते हुए लिखा कि %सूडान से निकाले गए 362 भारतीयों को जेद्दाह से बेंगलुरु के लिए रवाना करते हुए बेहद खुशी हो रही है। ये लोग हक्की पिक्की जनजाति से ताल्लुक रखते हैं।% बता दें कि कर्नाटक की हक्की पिक्की जनजाति के 31 लोग सूडान में फंस गए थे, जिन्हें सुरक्षित निकाला गया। साथ ही 392 भारतीय जेद्दाह से दिल्ली आ रहे हैं। भारतीयों के 10 जत्थे सूडान से सुरक्षित जेद्दाह पहुंच चुके हैं।

सूडान में सीजफायर

बता दें कि सूडान में तीन दिन का सीजफायर चल रहा था, जिसे गुरुवार रात फिर से अगले 72 घंटे के लिए बढ़ा दिया गया है। सऊदी अरब और अमेरिका ने इस सीजफायर को लेकर मध्यस्थता की। साथ ही अमेरिका, सऊदी अरब, नॉर्वे, ब्रिटेन, यूएई के डिप्लोमैट्स ने इस सीजफायर को बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था। जिसके बाद दोनों पक्ष इसके लिए तैयार हो गए। हालांकि पहले से जारी सीजफायर के दौरान भी हिंसा की घटनाएं हुईं लेकिन इतनी राहत रही कि विदेशी लोगों को सूडान से निकालने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई।

बता दें कि सूडान में सेना प्रमुख अब्देल फतह अल बुरहान और उनके डिप्टी और पैरामिलिट्री फोर्स रैपिड सपोर्ट फोर्स के मुखिया कमांडर मोहम्मद हमदान दागलो के बीच लड़ाई छिड़ी हुई है। इस लड़ाई में अब तक सैंकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग घायल हुए हैं।

काठमांडू में कौतूहल बनी 'टेक्स्ट बुक फ्री फ्राइडे' योजना, बिना किताबों और बस्ते के स्कूल आएंगे बच्चे

काठमांडो, 28 अप्रैल 2023। नेपाल की राजधानी काठमांडू में 'टेक्स्टबुक-फ्री फ्राइडे' का एक नया प्रयोग शुरू किया गया है। शहर के सभी स्कूलों को इस योजना पर अमल करने का निर्देश दिया गया है। फिलहाल, शहर के 89 में से 56 कम्युनिटी स्कूलों में यह प्रयोग शुरू किया गया है। इसके तहत शुक्रवार को बच्चों को बिना किताबों और स्कूली बस्ते के स्कूल आने को कहा जाएगा। उस दिन स्कूलों में जिंदगी के बुनियादी कौशल सिखाए जाएंगे और पाठ्यक्रम के बाहर की गतिविधियों में उनकी भागीदारी बनाई जाएगी।

यह प्रयोग इसी शुक्रवार से शुरू हो गया। कुछ शिक्षक और अभिभावक संगठनों ने इस पहल का स्वागत किया है। लेकिन शिक्षाशास्त्रियों ने कहा है कि योजना को बिना पूरा इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किए लागू किया जा रहा है। इसलिए आशंका है कि यह प्रचार का हथकंडा बन कर रह जाए। नगर प्रशासन ने इस प्रयोग के लिए दो करोड़ नेपाली रुपये का बजट मंजूर किया है। नगर प्रशासन के शिक्षा विभाग के प्रमुख सीताराम कोइराला ने यह जानकारी दी है।

इस प्रयोग के तहत नौवीं से 12वीं कक्षा के छात्रों को 10 टॉपिक्स पर अल्पकालिक कोर्स करने का मौका दिया जाएगा। इन टॉपिक्स में खेती, बागवानी, कॉस्मेटिक ट्रेनिंग, कारपेंटरी, नक्काशी, पाक कला, फैशन डिजाइन, वस्त्र सिलाई, इलेक्ट्रिक वायरिंग, आपदा तैयारी, मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स रिपेयर, प्लंम्बिंग, और मूर्ति कला शामिल हैं। कोइराला ने कहा- 'इनमें से हर कोर्स वैकल्पिक है। हर कोर्स की अवधि 90 दिन होगी।' उन्होंने बताया कि 90 कंपनियों ने छात्रों को ट्रेनिंग देने के लिए अर्जी दी है। प्रशासन उपयुक्त कंपनियों को चुनने के काम में जुटा हुआ है।

काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह ने कहा है कि ट्रेनिंग के लिए कार्यों को चुनते वक्त यह ध्यान रखा गया है कि ऐसे प्रशिक्षण से छात्र घरेलू जरूरतों को पूरा करने के योग्य बनें। उन्होंने कहा- 'प्राचीन गुरुकुल शिक्षा प्रणाली में ऐसे कौशल की ट्रेनिंग दी जाती थी। लेकिन हमने पश्चिमी शिक्षा को अपनाया और इस कारण हम कहीं नहीं पहुंच सके हैं।'

आठवीं कक्षा तक के छात्रों के लिए भी कई तरह की पाठ्यक्रम से बाहर की गतिविधियां शुरू करने की योजना है। इसके पीछे मकसद मानसिक और शारीरिक विकास होगा। इन छात्रों को लेखन, संगीत, कविता लेखन आदि जैसी गतिविधियों में शामिल किया जाएगा। इसके अलावा उन्हें खेतों की खुदाई, पौधा लगाने, पराली हटाने, कचरे का निपटारा आदि जैसे कार्यों की ट्रेनिंग दी जाएगी।

लेकिन कुछ शिक्षाशास्त्रियों ने कहा है कि वे नगर प्रशासन की इस योजना से खुश नहीं हैं। उनके मुताबिक ऐसी योजना पर तब तक अमल नहीं हो सकता, जब तक स्कूलों के इन्फ्रास्ट्रक्चर को इसके लिए तैयार न किया जाए। शिक्षाशास्त्री विनय कुमार कुशियात ने अखबार काठमांडू पोस्ट से कहा- 'फिलहाल यह योजना मेयर बालेंद्र शाह का एक पब्लिसिटी स्टंट लगता है।

अमेरिका में निराशा गहराई,खुदकुशी की योजना बनाने वाली लड़कियों की बढ़ी तादाद

वॉशिंगटन , 28 अप्रैल 2023। अमेरिकी समाज में फैलती निराशा के कारण कम उम्र लड़कियों में आत्म-हत्या की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। यह जानकारी अमेरिका के सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने अपने एक सर्वे के आधार पर दी है। इसके मुताबिक 2021 में उन किशोर उम्र लड़कियों की संख्या में काफी इजाफा हुआ, जिन्होंने या तो खुदकुशी करने के बारे में सोचा या सचमुच इसका प्रयास किया।

सीडीसी ने ध्यान दिलाया है कि 2021 में कोरोना महामारी का काफी असर था, जिसका नौजवानों की दिमागी सेहत पर बहुत खराब प्रभाव पड़ा। लेकिन जानकारों ने इसी सर्वे से सामने आए आंकड़ों के आधार पर ध्यान दिलाया है कि महामारी के पहले भी आत्म-हत्या के बारे में सोचने या उसका प्रयास करने वाली लड़कियों की संख्या काफी ऊंची थी।

सीडीसी के यूथ रिस्क बिहेवियर सर्वे के तहत पाया गया कि नौवीं से 12वीं कक्षा में पढ़ने वाली 30 फीसदी छात्राओं ने 2021 में आत्म-हत्या करने के बारे में गंभीरता सोचा। 2019 में हुए इसी सर्वे में यह आंकड़ा 24.1 फीसदी था। जिन छात्राओं ने खुदकुशी की योजना बनाई, उनकी संख्या 2019 में 19.9 फीसदी थी, जो दो साल बाद 23.6 फीसदी हो गई। जिन छात्राओं ने सचमुच खुदकुशी की कोशिश की, उनकी संख्या 11 से बढ़ कर 13.2 फीसदी हो गई।

सीडीसी हर दो साल पर एक सर्वे करता है, जिनमें नौजवानों से उनकी यौन गतिविधि, मादक पदार्थ सेवन और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। 2021 में उसने अपने इस सर्वे का दायरा बढ़ाया। 2019 में जहां इस सर्वे में 13,677 छात्रों को शामिल किया गया था, वहीं 2021 में 17,232 छात्रों को इसमें शामिल किया गया।

न्यूज वेबसाइट द हिल ने अब इस सर्वे से सामने आए आंकड़ों को विस्तार से प्रकाशित किया है। इससे सामने आया है कि 2021 में आम तौर पर युवाओं की मानसिक सेहत बिगड़ी। सर्वे के दौरान 30 फीसदी छात्रों ने कहा कि उनकी दिमागी सेहत खराब है। 40 फीसदी से ज्यादा छात्रों ने कहा कि बीते एक साल से वे लगातार उदासी और निराशा महसूस करते रहे हैं।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट से इमरान खान को राहत

सैन्य विद्रोह मामले में तीन मई तक मिली जमानत

इस्लामाबाद,28 अप्रैल 2023। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने इमरान खान के खिलाफ दर्ज सैन्य विद्रोह के मामले में शुक्रवार को उन्हें तीन मई तक गिरफ्तारी से सुरक्षात्मक जमानत दे दी। मजिस्ट्रेट मंजूर अहमद खान ने इस्लामाबाद के रमना पुलिस थाने में इस महीने की शुरुआत में पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ 'संस्थानों एवं जनता के बीच नफरत फैलाने' और 'संस्थानों और उनके शीर्ष अधिकारियों को अक्षम्य नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने' के लिए प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

प्राथमिकी में कहा गया है कि खान ने 19 मार्च को लाहौर में अपने जमन पार्क आवास से एक भाषण में 'इंटर-सर्विसेज इंटेलीजेंस' (आईएसआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ कई आरोप लगाए और कथित तौर पर 'चरित्र हनन' किया। खान ने शुक्रवार को इस्लामाबाद हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी जहां मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक ने मामले की सुनवाई करने के बाद उन्हें एक लाख पाकिस्तानी रुपये के मुचलके पर जमानत दे दी।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के प्रमुख मामले के लिए लाहौर से इस्लामाबाद आए। पुलिस ने उनकी सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाए थे। इस मौके पर अपने नेता के साथ एकजुटता जताने के लिए बड़ी संख्या में पीटीआई समर्थक मौजूद रहे। 70 वर्षीय खान ने ट्वीट किया, इस्लामाबाद राजधानी क्षेत्र की पुलिस ने उनके शांतिप्रिय कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

'डॉन' अखबार ने बताया कि अदालत कक्ष में पत्रकारों के साथ एक अनौपचारिक बातचीत में खान ने कहा कि उन्होंने फवाद चौधरी और शाह महमूद कुरेशी से इस शर्त पर सरकार के साथ बातचीत शुरू करने का अनुरोध किया था कि सत्तारूढ़ पार्टी विधानसभाओं को तत्काल भंग करने और चुनाव कराने के लिए तैयार रहेगी। कुरैशी और चौधरी चुनाव कराने को लेकर विवाद हल करने के लिए सरकार के साथ वार्ता कर रहे पीटीआई के तीन सदस्यीय दल का हिस्सा हैं।

भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी के खिलाफ इमरान और उनकी पत्नी की याचिका खारिज

इस्लामाबाद हाईकोर्ट से अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को झटका लगा है। अदालत ने तोशखाना भ्रष्टाचार मामले में नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (एनएबी) के कॉल-अप नोटिस के खिलाफ इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की याचिकाओं को खारिज कर दिया। द न्यूज इंटरनेशनल ने बताया कि इस्लामाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक और न्यायमूर्ति बाबर सत्तार की दो सदस्यीय पीठ ने गुरुवार को याचिकाओं को अप्रभावी घोषित कर दिया।

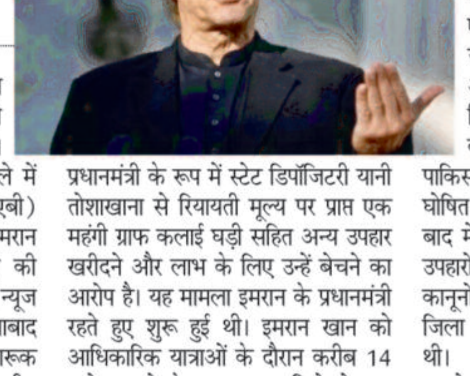

क्या है मामला?

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के प्रमुख इमरान खान पर प्रधानमंत्री के रूप में स्टेट डिपॉजिटरी यानी तोशाखाना से रियायती मूल्य पर प्राप्त एक महंगी ग्राफ कलाई घड़ी सहित अन्य उपहार खरीदने और लाभ के लिए उन्हें बेचने का आरोप है। यह मामला इमरान के प्रधानमंत्री रहते हुए शुरू हुई थी। इमरान खान को आधिकारिक यात्राओं के दौरान करीब 14 करोड़ रुपये के 58 उपहार मिले थे। इन महंगे उपहारों को तोशाखाना में जमा किया गया था। बाद में इमरान खान ने इन्हें तोशखाने से सस्ते दाम पर खरीद लिया और फिर महंगे दाम पर बाजार में बेच दिया। इस पूरी प्रक्रिया के लिए उन्होंने सरकारी कानून में बदलाव भी किए।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इमरान ने 2.15 करोड़ रुपये में इन गिफ्ट्स को तोशखाने से खरीदा था और इन्हें बेचकर 5.8 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। इन गिफ्टस में एक ग्राफ घड़ी, कफलिंक का एक जोड़ा, एक महंगा पेन, एक अंगूठी और चार रोलेक्स घड़ियां भी थीं। बिक्री का विवरण साझा नहीं करने के कारण उन्हें पिछले साल अक्तूबर में पाकिस्तान के चुनाव आयोग द्वारा अयोग्य घोषित कर दिया गया था। चुनाव निकाय ने बाद में देश के प्रधानमंत्री के रूप में प्राप्त उपहारों को बेचने के लिए आपराधिक कानूनों के तहत उन्हें दंडित करने के लिए जिला अदालत में शिकायत दर्ज करवाई थी।

नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो को संशोधित कानून के अनुसार खान और उनकी पत्नी के खिलाफ अपनी जांच जारी रखने का निर्देश देते हुए इस्लामाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आमेर फारूक ने कहा कि अदालत एनएबी को कार्रवाई करने और जांच करने से नहीं रोक सकती है।

खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादियों के पुनर्वास को लेकर इमरान व अन्य के खिलाफ याचिका दायर

अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कुछ वर्षों में आतंकवादियों के फिर से संगठित होने के मामले की जांच की मांग करते हुए पाकिस्तानी राष्ट्रपति आरिफ अल्वी, अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान और खुफिया एजेंसी आईएसआई के पूर्व प्रमुख फैज हमीद और अन्य के खिलाफ एक याचिका दायर की गई है। याचिका में एक न्यायिक आयोग के गठन की मांग की गई है जो यह जांच करेगा कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिछले कुछ वर्षों में आतंकवादी कैसे फिर से बसे और संगठित हुए।

द न्यूज इंटरनेशनल अखबार ने बताया कि पेशावर हाईकोर्ट (पीएचसी) में गुरुवार को अवामी नेशनल पार्टी (एएनपी) द्वारा दायर याचिका में अनुरोध किया गया कि अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में शांति बहाल करने के लिए तत्काल और ठोस उपाय किए जाएं। साथ ही आतंकवादियों के पुनर्वास और देश भर में उग्रवाद को बढ़ने से रोकने की भी मांग की गई है।

एएनपी के प्रांतीय प्रमुख आइमल वली खान ने याचिका में इमरान खान, राष्ट्रपति अल्वी, इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के पूर्व महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) हमीद, पूर्व मुख्यमंत्री महमूद खान और खैबर पख्तूनख्वा सरकार के पूर्व प्रवक्ता बैरिस्टर सैफ को नामित किया है और मामले की जांच के लिए न्यायिक आयोग के गठन की मांग की।

याचिका में संघीय और प्रांतीय सरकारों को भी पक्षकार बनाया गया है। साथ ही यह पता लगाने के लिए पीएचसी के मुख्य न्यायाधीश से न्यायिक जांच की मांग की गई है कि पिछले कुछ वर्षों में प्रांत में तालिबान को फिर से बसाने में किसने मदद की। याचिका में कहा गया है कि पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों के महान बलिदानों के साथ-साथ एएनपी सरकार के प्रयासों और बलिदानों के बाद इस प्रांत में शांति बहाल हुई।

CMYK

क्या संयुक्त संचालक सरगुजा ने पदोन्नति मामले में स्वयं को पाक-साफ साबित करने दो शिक्षकों पर की निलंबन की कार्यवाही ?

» संयुक्त संचालक के निलंबन आदेश में भी दिखी कई खामियां,ऐसा लगा द्वेषपूर्वक की गई कार्यवाही।

» पूर्व मुख्यमंत्री के खास हैं संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा के भाई,क्या इसलिए संयुक्त संचालक शिक्षा कर रहे मनमानी ?

» वायरल वीडियो में शिकायतकर्ताओं को देख लेने की और कार्यवाही करने की दी थी धमकी

» संयुक्त संचालक खुद है वीडियो बनाने वाले से अनभिज्ञ और वीडियो बनाने का दो शिक्षकों पर लगाया आरोप

» वीडियो में स्पष्ट दिख रहा कि अभद्रता किसने की,शांतिपूर्वक शिकायत सुनते तो नहीं आता विवाद का नौबत

» क्या जिस वीडियो के वायरल होने से सयुक्त संचालक की हुई थी फजीहत और खुली थी पदोन्नति की पोल क्या उस पर पर्दा डालने दो शिक्षकों पर हुई कार्यवाही ?

» क्या दो शिक्षकों पर कार्यवाही कर अपने आप को पाक साफ बताना चाहते हैं संयुक्त संचालक ?

» शिक्षक संघों की भूमिका ताली पीटने वाली,साथियों पर हुई गलत कार्यवाही का विरोध करने की बजाए शिक्षक संघ संयुक्त संचालक को पहना रहे फूलमाला

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 28 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

पदोन्नति मामले में संयुक्त संचालक खुद ही अपने बिछाए जाल में फंसते नजर आ रहे हैं। वे मामले में जो भी करना चाह रहे हैं, उसमें उनकी फजीहत ही होती दिख रही है। पहले पदोन्नति मामले में जब आपत्ति और शिकायत दर्ज कराने गए शिक्षकों की आपत्ति को दर्ज करना था, उनकी बातें सुनना था तो उनसे अभद्रता कर बैठे। जब उनकी फजीहत हुई तब वह कुछ दिन इंतजार करने के बाद दो शिक्षकों पर निलंबन की कार्यवाही करते हुए, उन्हें अनाधिकृत तरीके से आने का आरोप लगाया। पर इस आरोप में भी वह अपनी फजीहत कराते नजर आए। जहां दर्जनभर से ज्यादा शिक्षक अपनी आपत्ति लेकर गए थे, जिसमें शिक्षक संघ के पदाधिकारी भी मौजूद थे पर वहां उन्होंने सिर्फ दो पर कार्यवाही की। ऐसा लगा कि कार्यवाही इसलिए की गई क्योंकि इन्हीं शिक्षकों की वजह से संयुक्त संचालक की फजीहत हुई थी। यही शिक्षक अपनी आपत्तियों और शिकायतों के द्वारा पदोन्नति प्रक्रिया के काउंसलिंग के ढोल की पोल खोल रहे थे। अब उन्ही कारनामों की पोल खुलने के बाद अपने आप को पाक साफ बताने के लिए क्या ऐसी कार्यवाही कर रहे हैं? यह तमाम तरह के सवाल उठने लगे हैं। वहीं शिक्षक संयुक्त संचालक के खिलाफ न्यायालय जाएंगे, उनके द्वारा की गई कार्यवाही को चुनौती देंगे, इस बात की भी अब आवाज उठने लगी है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि शिक्षक संगठन भी इसमें लामबंद हो सकता है, ऐसी बात भी सामने आ रही है। अब ऐसे में तो संयुक्त संचालक की फजीहत होनी स्वाभाविक है।

किसी प्रक्रिया के त्रुटियों के संबंध में ध्यानाकर्षण और शिकायत उच्चाधिकारियों तक करना अनुशासनहीनता कैसे?

शासकीय विभाग में किसी वैधानिक प्रक्रिया में यदि किसी प्रकार की धांधली नजर आती है, या कोई प्रक्रिया से असंतुष्ट होता है, तो स्वाभाविक तौर पर वह अपनी शिकायत और अपनी समस्या उच्चाधिकारियों तक प्रेषित करता है, या अपनी आवाज उन तक पहुंचाता है। यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। इसमें अनुशासनहीनता कैसी?? परंतु सरगुजा संभाग में प्रधान पाठक पदोन्नति के लिए की जाने वाली काउंसलिंग में जब वरिष्ठ शिक्षकों को अपने आसपास के पद प्रदर्शित नहीं किए गए तो उन्होंने इसकी शिकायत संभागीय संयुक्त संचालक के पास करनी चाही, तब बिना शिक्षकों की बात सुने और बिना उनसे आवेदन लिये शिक्षकों पर ही भड़क जाना, उन्हें देख लेने की धमकी देना, कार्यवाही करने की धमकी देना, कहां तक जायज है? संभागीय संयुक्त संचालक के कार्यालय में शिकायतकर्ता और संयुक्त संचालक के मध्य शिकायत संबंधी वार्तालाप के वीडियो में यह स्पष्ट नजर आ रहा है कि काउंसलिंग प्रक्रिया की शिकायत करने गए शिक्षक केवल अपनी बात उच्चाधिकारी तक रखना चाहते थे, परंतु बगैर उनकी बात सुने, बगैर उनसे आवेदन लिए संचालक महोदय अभद्रता पूर्वक भड़के नजर आ रहे हैं। काफी देर तक जब संचालक महोदय ने शिक्षकों की बात नहीं सुनी और आवेदन नहीं लिया तब मीडिया वालों की उपस्थिति के बाद वे शिकायत पत्र लेने को राजी हुए। परंतु वायरल वीडियो में स्पष्ट नजर आ रहा है कि उन्होंने शिकायत करने गए शिक्षकों को देख लेने की धमकी भी दी थी, जिसका परिणाम निलंबन आदेश के रूप में जारी किया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री के खास हैं संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा के भाई,क्या इसलिए संयुक्त संचालक शिक्षा कर रहे मनमानी ?

सूत्रों की माने तो संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा संभाग जो अपनी मनमानी दो शिक्षकों को निलंबित कर जाहिर भी कर चुके हैं और वह भी उन शिक्षकों को जिन्होंने पदोन्नति में होने वाली पदस्थापना में लेनदेन का पोल खोला था के भाई सुमित उपाध्याय पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह के खास हैं, मुख्यमंत्री रहते हुए भी इनके भाई डॉक्टर रमन सिंह के खास थे और अब जबकि सरकार कांग्रेस की है तब भी वह डॉक्टर रमन सिंह के खास हैं। बताया जाता है की अपने भाई के बल पर ही संयुक्त संचालक अपनी मनमानी करते हैं और निडर होकर वह मनमानी जारी रखते हैं। संयुक्त संचालक का मनोबल अपने भाई के पूर्व मुख्यमंत्री के करीब होने के कारण ही बढ़ा हुआ रहता है और इसीलिए वह किसी भी मामले में निडर होकर मनमानी करते हैं। संयुक्त संचालक ने दो शिक्षकों को केवल इसलिए निलंबित कर दिया क्योंकि उन्होंने संयुक्त संचालक की मनमानी की पोल खोल दी जो भ्रष्टाचार से जुड़ा मामला था।

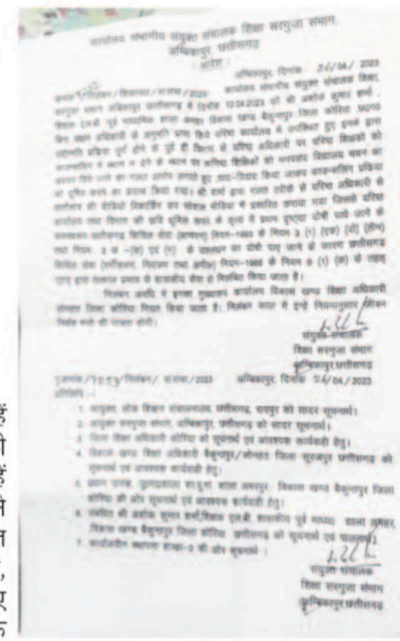

आदेश पूर्व गड़बड़ी की शिकायत करना दो शिक्षकों को पड़ा भारी

सरगुजा संभाग में हुई शिक्षकों की पदोन्नति पदस्थापना मामले में संयुक्त संचालक की बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार करने की मंशा थी, मंशा उनकी पूरी भी हो रही थी लेकिन कुछ शिक्षकों ने उनकी इस मंशा के बीच अडंगा लगा दिया और उन्होंने सबूत सहित आरोप लगाया, आरोप चुकीं सही थे जिसपर संयुक्त संचालक भड़क भी गए और शिक्षकों को देख लेने की धमकी भी उन्होंने दी और दो शिक्षकों को निलंबित भी उन्होंने किया, मामले में संयुक्त संचालक की कारगुजारी भ्रष्टाचार की चूंकि उजागर हो रही थी जबकि अभी आदेश होना बाकी था उन्होंने आदेश में तो खुद को पाक साफ साबित कर लिया लेकिन शिक्षकों पर कार्यवाही कर यह जरूर साबित कर दिया की उनकी मनमानी नहीं पूरी हो सकी इसलिए उन्होंने गुस्से में यह कार्यवाही की। वैसे जारी पदोन्नति सूची में अभी भी कई शिक्षक ऐसे पदोन्नति प्राप्त कर अपने मनचाहे विद्यालय में पदस्थ हो चुके हैं जो बाकियों से कनिष्ठ हैं वरिष्ठता सूची में। जिसके तहत बैकुंठपुर विकासखंड के वे विद्यालय जिन्हें वरिष्ठ शिक्षकों के समक्ष काउंसलिंग के समय विलोपित रखा गया, उनमें अन्य विकासखंड या अन्य जिले के शिक्षकों के लिए पदोन्नति आदेश जारी किया गया है और इन विद्यालयों के लिए जिन शिक्षकों ने पैसों के जरिए सेटिंग की थी उन्हें उन्हीं दूरस्थ विद्यालयों में पदस्थापना दी गई है, जहां के शिक्षक की पदस्थापना बैकुंठपुर विकासखंड में की गई है। ताकि आगामी दिवसों में आपसी सामंजस्य का आवेदन लगवा कर पदोन्नति आदेश में संशोधन कर लेन-देन वाले शिक्षकों को इच्छा अनुसार पदस्थापना दी जा सके। पूरे मामले में संयुक्त संचालक के समक्ष शिकायत करने गए शिक्षक, जिन पर निलंबन की गाज गिरी है, उनकी गलती केवल इतनी है कि उन्होंने पदस्थापना आदेश पूर्व गड़बड़ी की शिकायत करनी चाही। जिस कारण से मामले का भंडाफोड़ होता देख कार्यालय को गड़बड़ी सुधार का मौका मिल गया और व्यवस्था कुछ ऐसी बनाई गई कि सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे।

प्रधान पाठक पदोन्नति प्रक्रिया में विकलांगों और चिकित्सा आधार पर प्राथमिकता की प्रक्रिया में भारी घालमेल

प्रधान पाठक भर्ती प्रक्रिया में जब काउंसलिंग का निर्देश आया तो स्पष्ट निर्देश था कि विकलांग शिक्षक एवं वे शिक्षक जो चिकित्सीय रूप से गंभीर है या गंभीर बीमारी से ग्रसित है, उन्हें प्राथमिकता दी जाए। इसके लिए मेडिकल बोर्ड के प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी, जिसके आधार पर ऐसे शिक्षकों को प्राथमिकता से जगह चयन का मौका दिया जाए। विश्वस्त सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस मामले में भारी घोटाला किया गया और बगैर मेडिकल बोर्ड के प्रमाण पत्र के साधारण चिकित्सा परामर्श पर्ची के आधार पर ही लोगों को वरीयता देकर उन्हें मनचाहा पदस्थापना दिया गया। इसके लिए भी लाखों का लेनदेन कर सेटिंग वाले शिक्षकों को निर्देशित किया गया था। मेडिकल आधार पर वरीयता प्राप्त शिक्षकों के यदि दस्तावेजों की जांच की जाए तो सारा मामला आईने की तरह साफ हो जाएगा। पुष्ट खबर यह भी है कि असंतुष्ट शिक्षक आरटीआई के जरिए इस मामले के तह तक जाने का प्रयास करेंगे।

पदोन्नति आदेश जारी करने के 1 दिन पूर्व रात्रि को सेटिंग वाले शिक्षकों से भरवाया गया पुनः विकल्प पत्र- विश्वस्त सूत्रों से प्राप्त जानकारी और सेटिंग वाले शिक्षकों के बीच से ही छनकर आ रही खबर के अनुसार काउंसलिंग पूर्व जिन शिक्षकों से लाखों का लेनदेन कर उन्हें इच्छित स्थान पर पदस्थापना देने की कवायद की गई थी और जिन्हें काउंसलिंग प्रक्रिया में अनुपस्थित रहने के बावजूद काउंसलिंग पूर्व तथा पश्चात में व्यक्तिगत रूप से मनचाहे स्थल पर, जिन्हें विलोपित किया गया था, के लिए विकल्प पत्र भरवाया गया था। क्योंकि पूरे मामले का भंडाफोड़ हो गया अतः उन्हें उसी स्थलों पर आदेश जारी करना भ्रष्टाचार पर मुहर लगाने जैसा था। इसलिए सेटिंग वाले समस्त शिक्षकों को जो विभिन्न ब्लॉक से है, उन्हें पदोन्नति आदेश जारी होने के 1 दिन पूर्व गोपनीय तरीके से पुनः विकल्प पत्र इस प्रकार भरवाया गया ताकि संशोधन के जरिए उनकी पदस्थापना स्थल में परिवर्तन किया जा सके। यह कवायद इसलिए की गई कि आरटीआई के जरिए जब जानकारी मांगी जाए तब उन्हें वांछित जानकारी प्रदान की जा सके। पूरे मामले में सबसे बड़ा सवालिया निशान यह है कि जिन शिक्षकों को 11 तारीख की काउंसलिंग में उच्च वरिष्ठता के आधार पर अपने निवास स्थल के करीब ही पदस्थापना स्थल प्राप्त हो गया था, उन्हें आदेश में अन्य जिले या अन्य ब्लॉक में पदस्थापना आदेश जारी क्यों किया गया?? तथा उन्ही विद्यालयों में ऐसे मामले क्यों सामने आए जहां जहां की शिकायतें हुई थी, ऐसे प्रकरण अन्य विद्यालयों में क्यों नहीं आए।

संयुक्त संचालक के सामने दर्जनभर से ज्यादा शिक्षक व संघ के अध्यक्ष गए थे शिकायत करने, पर क्या अनाधिकृत तरीके से आए थे सिर्फ दो शिक्षक ?

जिन दो शिक्षकों पर निलंबन की गाज गिरी है, निलंबन आदेश में उल्लेख किया गया है कि ये शिक्षक बगैर किसी सूचना के अपने कार्यालय को छोड़कर उच्च कार्यालय में उपस्थित हुए थे। जिसकी वजह से इन्हें निलंबित किया गया है। गौरतलब बात यह है कि संयुक्त संचालक के पास शिकायत करने दर्जनभर से अधिक शिक्षक पहुंचे थे, जिसमें बैकुंठपुर विकासखंड के शिक्षक संघ के शीर्ष पदाधिकारी भी सम्मिलित थे। यदि इस आधार पर निलंबन होना था, तो शिकायत करने गए सभी शिक्षक और संघ के पदाधिकारियों पर होना चाहिए था। परंतु वायरल वीडियो के कथन अनुसार जिन शिक्षकों ने सामने कतार में रहकर अपनी बात संयुक्त संचालक के समक्ष रखनी चाही और जिन्हें देख लेने की धमकी दी गई थी, निलंबन की कार्यवाही भी केवल उन्ही शिक्षकों के विरुद्ध की गई। स्पष्ट है कि निलंबन की यह कार्यवाही काउंसलिंग प्रक्रिया की धांधली के फजीहत से बचने के लिए वैमनस्यता और द्वेषपूर्वक की गई है।

शिकायतकर्ताओं कि हड़बड़ी से संयुक्त संचालक कार्यालय को गड़बड़ी और भ्रष्टाचार की लीपापोती का मिला अवसर

प्रधान पाठक पदोन्नति की काउंसलिंग की प्रक्रिया जो 11 और 12 अप्रैल को संचालित की गई थी, 11 अप्रैल तक लगभग सब कुछ ठीक चल रहा था। 12 अप्रैल को कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखंड के वह शिक्षक जो वरिष्ठता क्रम में ऊपर थे, काउंसलिंग की प्रक्रिया के दौरान उन्हें बैकुंठपुर विकासखंड में पद रिक्त ना होने की जानकारी दी गई। जबकि 11 तारीख को शाम तक काउंसलिंग समाप्त होने के पश्चात बैकुंठपुर विकासखंड के बहुत सारे पद रिक्त थे। स्पष्ट है कि 12 तारीख की काउंसलिंग में बैकुंठपुर विकासखंड के वह स्थल जिनकी सेटिंग लेनदेन के जरिए हो चुकी थी, छुपाए गए। मजबूरीवश वरिष्ठ शिक्षकों को पदोन्नति ना लेने का या दूर स्थित विद्यालयों का चयन का विकल्प भरना पड़ा। परंतु शाम होते-होते जब बैकुंठपुर विकासखंड में ही कनिष्ठ शिक्षकों को पदोन्नति स्थल मिलने का बधाई संदेश वायरल हुआ, तो वरिष्ठ शिक्षकों ने आपाधापी में अगले दिन अपनी शिकायत संयुक्त संचालक महोदय के समक्ष प्रस्तुत करनी चाही। जहां संयुक्त संचालक महोदय का तर्क था कि अभी तक आदेश जारी नहीं हुआ तो आपको कैसे पता कि किसे कौन सा स्थल मिला। पूरे मामले में क्योंकि आदेश जारी नहीं हुआ था अतः भंडाफोड़ ना हो इस वजह से जारी पदोन्नति आदेश में छुपाए गए, विद्यालयों के लिए बैकुंठपुर विकासखंड और कोरिया जिले से दूरस्थ शिक्षकों को पदोन्नति आदेश जारी किया गया। ताकि यह तर्क रखा जा सके कि इन सभी विद्यालयों का चयन 11 तारीख की काउंसलिंग में ही हो चुका था। परंतु सोचने वाली बात यह है कि 11 तारीख की काउंसलिंग में लखनपुर, लुंड्रा, भैयाथान इत्यादि के शिक्षकों को स्थानीय पदोन्नति स्थल मिल रहा था तो उन्हें इतनी दूर विकल्प चयन करने की आवश्यकता क्यों पड़ी?

शिक्षक संघ संयुक्त संचालक की चापलूसी में व्यस्त,अपने ही शिक्षकों पर हुई कार्यवाही पर मौन है शिक्षक संघ

पदोन्नति मामले में और पोस्टिंग में लेनदेन मामले सहित दो शिक्षकों द्वारा लेनदेन का आरोप लगाए जाने पर उनके निलंबन मामले में शिक्षक संघों की भूमिका शिक्षक हितैसी बिल्कुल नजर नहीं आई। शिक्षक संघों ने संयुक्त संचालक की चापलूसी को ही महत्व दिया और शिक्षकों की तरफ से आने। वाली शिकायतों को संघों ने नजर अंदाज किया। शिक्षक संघ संयुक्त संचालक को फूलमाला से जहां लादते नजर आए मिठाई खिलाते जहां नजर आए वहीं अपने ही साथियों पर हुई गलत कार्यवाही का विरोध करने का कोई भी शिक्षक संघ हिम्मत नहीं जुटा पाया जो शिक्षक हितैसी बताने वाले संघों का असली चेहरा उजागर कर गया। दो शिक्षक अब सही होकर भी गलत साबित कर दिए गए और मामले में उन्हे शिक्षक संघों की मदद भी नहीं मिलने वाली क्योंकि संघ सभी चापलूसी में व्यस्त हो ऐसे में पीड़ित शिक्षकों को अब अपने लिए स्वयं न्याय का रास्ता ढूंढना होगा क्योंकि उनके साथ देने संघ भी सामने आने वाले नहीं।

पदोनत्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार की पुष्टि संशोधन के खेल से होगी

पदोन्नति की पूरी प्रक्रिया पूरी तरह भ्रष्टाचार से युक्त रही और करोड़ों का लेनदेन हुआ इसकी पुष्टि अब होनी मात्र बाकी है और यह तब होगी जब संशोधन का खेल पूरा हो सकेगा,संशोधन का पूरा खेल ब्लॉक कार्यालयों को समझा दिया गया है और जिनका भी संशोधन होना है सभी को कार्यभार मुक्त होने और नए कार्यस्थल पर कार्यभार ग्रहण करने की मनाही ब्लॉक कार्यालय दे रहें हैं। कुलमिलाकर जिन्हे भी मनचाही पोस्टिंग की जरूरत है उन्हे संयुक्त संचालक कार्यालय का निर्देश बताया जा रहा है की वह भारमुक्त और कार्यभार ग्रहण न करें उनका संशोधन होगा ही।

कई शिक्षक संशोधन की आस में चले गए अवकाश पर

जिन शिक्षकों को संशोधन की उम्मीद है या जिन्होंने भी मनचाहे पोस्टिंग के लिए पैसा दिया है वह सभी फिलहाल अवकाश पर चले गए हैं और सभी को यह विश्वास दिलाया गया है संयुक्त संचालक कार्यालय से की उन्हे उनकी मनचाही पोस्टिंग ही मिलेगी,ऐसे शिक्षकों की तरफ से लाखों रुपए दिए भी गए हैं और संशोधन होते ही इस बात की पुष्टि भी होनी तय है।

लेनदेन मामले को दबाने सूची में किया गया आंशिक त्वरित संशोधन

संयुक्त संचालक कार्यालय की करस्तानी जो अब सामने आ रही है उसके अनुसार यह तय नजर आ रहा है की सूची में आंशिक त्वरित संशोधन इस हिसाब से किया गया की जिससे विरोध को दबाया जा सके,कार्यालय द्वारा जिन पदों को बेचा गया उन पदों पर फिलहाल ऐसे लोगों की पोस्टिंग की गई है जिन्हे बाद में उनकी मनचाही जगह पर भेजा जाएगा और जिनसे पैसा लिया गया है उन्हे उनकी मनचाही जगह पर भेजा जाएगा,पूरे मामले में ब्लॉक कार्यालयों को स्पष्ट निर्देश है की जिनका पैसा लिया गया है उन्हे समय दिया जाए कार्यभार ग्रहण करने के लिए और उन्हे संशोधन का मोका मिल सके।

जिला चिकित्सालय कोरिया से 2 और चिकित्सक हुए स्थानांतरित, क्या यही है बैकुंठपुर विधायक की जिले के लिए उपलब्धि ?

» जिला चिकित्सालय वैसे ही चिकित्सकों की कमी से जूझ रहा था,अब दो और चिकित्सक हुए कम

» क्या कोरिया जिले से नाराज हैं प्रदेश के मुख्यमंत्री एवम स्वास्थ्यमंत्री,इसलिए चिकित्सक किए जा रहे जिले में कम ?

» अनुभवी और योग्य चिकित्सकों का लगातार हो रहा तबादला,आखिर इसकी वजह क्या है ?

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 28 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

जिला चिकित्सालय कोरिया से दो विशेषज्ञ चिकित्सकों का स्थानांतरण अन्य जिलों के लिए कर दिया गया है। इसके पहले भी जिला चिकित्सालय से चिकित्सकों को अन्य जिले भेजा जा चुका है। जिला चिकित्सालय कोरिया से लगातार हो रहे चिकित्सकों के तबादले से अब यह सवाल जरूर खड़ा हो रहा है की क्या बैकुंठपुर विधायक की यही उपलब्धि है उनके कार्यकाल की जिसमे जिले से योग्य चिकित्सकों को अन्य जिले भेजा जा रहा है और जिला चिकित्सालय खाली होता जा रहा है। चिकित्सकों के तबादले के पीछे की वजह भी सामने नहीं आ रही है और जितने चिकित्सक जिले से बाहर भेजे जा रहें हैं उनकी जगह अन्य चिकित्सकों की पदस्थापना भी नहीं की जा रही है। जिस तरह जिले के चिकित्सालय को चिकित्सक विहीन किया जा रहा है उससे यह भी अंदाजा लगाया जा रहा है की जिले से मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री नाराज चल रहे हैं और इसीलिए योग्य एवम अनुभवी चिकित्सकों को जिले से बाहर भेजा जा रहा है।

लगातार अनुभवी चिकित्सकों को जिले से भेजा जा रहा बाहर

जिला चिकित्सालय में पदस्थ अनुभवी और विशेषज्ञ चिकित्सकों को लगातार जिले से बाहर भेजा जा रहा है और जिले का एकमात्र जिला चिकित्सालय अब विशेषज्ञ चिकित्सक विहीन चिकित्सालय होता चला जा रहा है। पहले भी कई विशेषज्ञ चिकित्सक अन्य जिले भेजे जा चुके हैं और और अब नए तबादला सूची अनुसार दो अन्य को अन्य जिले के लिए स्थानांतरित किया गया है। जिला चिकित्सालय बैकुंठपुर में वैसे भी अनुभवी चिकित्सकों की कमी है और अब दो अन्य के तबादले के पश्चात और कमी चिकित्सकों की होगी जो जिले के मरीजों के लिए अच्छी खबर नहीं है।

अविभाजित कोरिया जिले का अभी संयुक्त जिला चिकित्सालय है बैकुंठपुर का जिला चिकित्सालय

कोरिया जिले के विभाजन के पश्चात दो भागों में विभक्त होने के बाद भी अभी जिला चिकित्सालय का विभाजन नहीं हुआ है और अभी दोनो जिले के मरीजों के लिए बैकुंठपुर का ही जिला चिकित्सालय इलाज के लिए उनकी सुविधा है। ऐसे में दो दो जिले की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने वाले जिला चिकित्सालय से लगातार चिकित्सकों को अन्यत्र स्थानांतरित करना यह दर्शाता है की जिले के साथ अन्याय हो रहा है और जिले की सुविधा से कटौती की जा रही है।

भाजपा कोरबा ने दंतेवाड़ा के वीर शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

- संवाददाता -
कोरबा,28 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव जी निर्देशानुसार बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा जिला के अरनपुर में नक्सलियों द्वारा किए गए ब्लास्ट में शहीद हुए वीर जवानों की शहादत को नमन करते हुए छत्तीसगढ़ भाजपा के सभी जिला मुख्यालयों में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाना तय किया गया था । इसी तारतम्य में कोरबा जिले के निहारिका क्षेत्र में नेताजी सुभाष चौक पर शहीद वीर जवानों को दीप जलाकर एवं 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

वीर शहीद जवानों को दी गई श्रद्धांजलि के अवसर पर मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, पूर्व महापौर श्री जोगेश लांबा, जिला कोषाध्यक्ष गोपाल मोदी, जिला मीडिया प्रभारी मनोज मिश्रा, भाजपा कोसा बाड़ी मंडल के अध्यक्ष अजय विश्वकर्मा, आईटी सेल के जिला संयोजक नवदीप नंदा, सोशल मीडिया के जिला संयोजक अजय चंद्रा, मीडिया सह प्रभारी पवन सिन्हा, आरटीआई प्रकोष्ठ के जिला संयोजक संतोष राय, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती मंजू सिंह, प्रकाश अग्रवाल, श्रीमती सुमन सोनी, श्रीमती ज्योति वर्मा, श्रीमती रमा मिरी, श्री चंदन सिंह रितेश कुमार साहू गोपाल लाखिया सिवान, राजेश सोनी, राजेश राठौर,संजीव शर्मा, शिव चंदेल, राम साहू,दिनेश वैष्णव, पंकज देवांगन, विनोद सिंहा, विनय राय,लक्ष्मण श्रीवास, श्रीमती पुष्पा चौहान, श्रीमति हारबाई यादव, देवेन्द्र सिंह, बलदेव दीवान, पुनीराम साहू, गोपलाल राठिया, धर्मपाल सोलंकी,गिरधारी रजक सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

क्या तहसीलदार बदलते ही सुधरेगी तहसील कार्यालय की व्यवस्था?

» क्या नव पदस्थ तहसीलदार के बदलते ही भूमाफियों पर कसेगा शिकंजा या फिर आम आदमी ही होगा परेशान?

» बैकुंठपुर व पटना तहसील कार्यालय में तहसीलदार बदले पर क्या स्थितियां भी बदलेंगी?

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 28 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

तहसील कार्यालय जो राजस्व प्रकरणों में न्यायालय की पहली सीढ़ी होती है और जमीन जायदाद के मामलों में इंसान का पहला पाला तहसील कार्यालयों से ही पड़ता है पर पहली सीढ़ी धीरे-धीरे ये भ्रष्टाचार के गढ बनते जा रहे हैं। आम आदमी कागज प्रस्तुत कर न्याय की गुहार लगाते हुए इन कार्यालयों के चक्कर काटते अक्सर देखा जा सकता है। जमीन जायदाद के मुकदमे हो, फौती नामांतरण हो, सामान्य नामांतरण हो, अवैध कब्जों की शिकायत हो, अनाधिकृत निर्माण का मामला हो, राजस्व रिकार्ड में सुधार का मामला हो, लोग सबसे पहले न्याय की आस में तहसील कार्यालय का ही चक्कर लगाते हैं। परंतु व्याप्त भ्रष्टाचार, अफसरशाही और बाबूगिरी का अक्सर शिकार हो जाते हैं। हालात तो यह भी है कि छोटे से छोटे मामलों में वर्षों फैसला पेंडिंग रहता है। लोगों की एडिंया घिस जाती हैं न्यायालय के चक्कर लगाने में और अंततः न्याय व्यवस्था पैसों की चमक के आगे दम तोड़ देती है। राजस्व मामलों में पटवारी कार्यालय के बाद और देश के उच्चतम न्यायालय के पूर्व तहसील न्यायालय की भूमिका सर्वोत्तम मायने रखती है। क्योंकि किसी न्यायालय में पारित आदेश, पंचनामा, गवाही, साक्ष्यों के एकत्रीकरण और निर्मित दस्तावेज के आधार पर राजस्व मामलों के निराकरण की कवायद निम्न से लेकर उच्च स्तर तक चलती है। परंतु आलम यह है कि वर्तमान में तहसील कार्यालय धन उगाही के केंद्र मात्र बनकर रह गए हैं। जो धनबल के जरिए किसी के भी पक्ष में आदेश पारित करने के लिए जाने जा रहे हैं। कारण भी यह है कि यदि इन न्यायालयों से गलत आदेश पारित हो भी गया, जिसे ऊपर चुनौती देने पर गलत पाया भी गया तो भी तहसील कार्यालयों में बैठे अधिकारी और बाबू पर कोई कार्यवाही नहीं होती, इन पर कोई प्रकरण नहीं बनता। यही कारण है कि ये कार्यालय निरंकुशता का पर्याय बनते जा रहे हैं। इन सब में पिसता आम आदमी है। जो मामले आसानी से तहसील कार्यालयों से ही निपटाए जा सकते हैं, वे मामले धीरे-धीरे इतना बृहत रूप ले लेते हैं की पीढ़ियां बदल जाती हैं पर मामले वही रहते हैं। तहसील न्यायालय की इन कमजोरियों का फायदा भू माफियाओं को सदा से होता आ रहा है। जो गलत तरीके से गरीबों वंचितों और शोषितों की जमीनों को ओने पौने लेने, हड़पने का कार्य करते हैं। इन कार्यालयों में जब आसन्न अधिकारी का स्थानांतरण होता है, और नए अधिकारी का आगमन होता है, तो लोगों की उम्मीदों की किरण जगमगाने लगती है। लोगों को लगता है कि नये अधिकारी आने से व्यवस्था सुधरेगी, प्रक्रिया आसान होगा और बार-बार होने वाली पेशियों की झंझट से छुटकारा मिलेगा।

नव पदस्थ तहसीलदार से लोगों को उम्मीद, कितना खरे उतरेंगे लोगों के उम्मीद पर तहसीलदार?

तहसील पटना में पदस्थ नए तहसीलदार से लोगों को काफी उम्मीदें हैं। क्योंकि इससे पहले पदस्थ अफसरों की अफसरशाही, अवैध वसूली, भू-माफियाओं को संरक्षण एवं उनकी कार्यप्रणाली से जनता त्राहिमाम कर रही थी। लगातार हो रही शिकायतों के कारण ही उनका तबादला हुआ है। अब तबादले के बाद में आये अधिकारी से लोगों की उम्मीद बढ़ गई हैं, ताकि आम जनता को अवैध लेनदेन और उगाही से, अफसरशाही और बाबूगिरी से, भू माफियाओं के अत्याचार से छुटकारा मिल सके। अब देखने वाली बात यह होगी कि आगंतुक तहसीलदार अवैध कार्यों में संलिप्त लोगों के चंगुल में फंसकर कार्य करते हैं या स्वतंत्र रूप से आम जनता के हित में कार्य करेंगे, यह तो आने वाला वक्त बताएगा, परंतु नये तहसीलदार के आगमन से पीड़ितों के चेहरे पर रोशनी का संचार स्पष्ट दिखाई दे रहा है, कि शायद अब उन्हें यथोचित न्याय मिल सकेगा, भ्रष्टाचार से मुक्ति मिल पाएगी और अवैध लेनदेन तथा उगाही का शिकार नहीं होना पड़ेगा। आम जनता के बीच जो भरोसा तहसील कार्यालयों के अधिकारी और बाबू खो चुके हैं, उस भरोसे को वापस लाने में नए तहसीलदार को भी काफी जद्दोजहद का सामना करना पड़ सकता है।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ द्वारा नक्सली हमले में शहीद हुए को जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

- संवाददाता -
एमसीबी 28 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

एमसीबी जिले के चिरमिरी में भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के द्वारा बस्तर में शहीद हुए जवानों को कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी गई। यह एक बहुत दुखद घटना है जिसमें दंतेवाड़ा के अरनपुर में नक्सलियों ने डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के जवानों पर घात लगाकर हमला किया। हमले में 11 जवान बलिदान हो गए हैं। इसके अलावा एक ड्राइवर की भी मौत हुई है। जिसमे प्रधान आरक्षक कमॉक 74 जोगा सोढी प्रधान आरक्षक क्रमॉक 965 मुन्ना राम कड़ती प्रधान आरक्षक क्रमांक 901 संतोष तामो नव आरक्षक क्रमॉक 542 दुल्गो मण्डावी नव आरक्षक क्रमॉक 289 लखमू मरकाम नव आरक्षक कमॉक 580 जोगा कवासी नव आरक्षक क्रमांक 888 हरिराम मण्डावी गोपनीय सैनिक राजू राम करटम गोपनीय सैनिक जयराम पोड़ियाम गोपनीय सैनिक जगदीश कवासी धनीराम यादव (निजी वाहन चालक) शहीद होगे, इस दुखद घडी व इस घटना को लेकर भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ने दुखद व्यक्त करते हुये बताया कि छत्तीसगढ प्रदेश अध्यक्ष महेश प्रसाद ने कहा कि छत्तिसगढ की सरकार ना जाने और कितने बलिदान कराएगी छत्तिसगढ की सरकार चाहती तो नक्सलियों को अभियान चला कर जड़ से खत्म कर सकती थी लेकीन यह एक निकम्मी सरकार है जिसे सिर्फ अपना चैन सुकून कैसे पूरा हो इस बात पर ध्यान है उसे किसी भी तरह से देश के सपूतों और नागरिकों से कोई लेना देना नहीं है। श्रद्धांजलि अर्पित करने में भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ छत्तीसगढ प्रदेश अध्यक्ष महेश प्रसाद, प्रदेश मुख्य महासचिव सत्येन्द्र सोनी कोरिया जिला अध्यक्ष सावन कुमार एम सी बी जिला अध्यक्ष आनन्द शर्मा , मुख्य महासचिव मुस्ताक कुरैशी, मनीष सिंह , सुरेश कुमार, महेन्द्र शुक्ला, नोहर विश्वकर्मा, कृपा चार्य दुबे उपस्थित रहे।

एक पक्ष दिखा जश्न में डूबा

यह भी एक विडम्बना है की आज छत्तिसगढ के एम सी बी जिले में एक पक्ष ऐसा भी है जो इस बात से अनभिज्ञ नजर आया और सब कुछ जानने के बाद भी ठीक उसी चौक में पटाखों के साथ बैण्ड बजा कर ना जाने किस बात की खुशी मनाता दिखा सूत्रों के अनुसार यह किसी विशेष दल के लोग थे जो अपने जश्न में इस कदर डूबे थे की उन्हें छत्तीसगढ़ के शहिद जवानों की माताओं बहनों की चीख पुकार भी सुनाई नही दी और तनिक भी शर्म नहीं आई की छत्तिसगढ में इतनी दुखद घटना हो गई है और ये अपने जश्न में डूबे हैं । शायद ये भूपेश सरकार की नीतियों से प्रभावित है जो सब कुछ देख कर भी चुप्पी साध अपने में मस्त रहते हैं।

यह था पूरा घटनाक्रम

ऑपरेशन के लिए जा रहे थे जवान बस्तर के आईजी सुंदरराज ने बताया कि नक्सलियों ने अरनपुर के पालनार क्षेत्र में जवानों से भरी गाड़ी को आईईडी से उड़ा दिया है. मौके पर दो एम्बुलेंस को रवाना किए जाने की खबर है. नक्सलियों के हमले का पैटर्न बिल्कुल भी नहीं बदला है. जब जवान नक्सलियों के इलाके में आए तो घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने हमला कर दिया।

सुंदर गीत से स्वागत,बच्चियों द्वारा वेस्ट से तैयार सुंदर क्राफ्ट को देख कलेक्टर ने की सराहना

कलेक्टर ने छात्राओं की रुचि देख म्यूजिक टीचर, स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी कम स्टडी रूम, कंप्यूटर सीखने हेतु इंटरनेट की सुविधा देने संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने शुक्रवार को विकासखंड लखनपुर के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में बच्चियों से मुलाकात की। कलेक्टर को अपने बीच पाकर बच्चियां बेहद खुश हुई और सुंदर गीत गाकर स्वागत किया। यहां कक्षा 6 वीं से 12 वीं तक की छात्राओं को आवासीय सुविधा दी गई है। छात्राओं के लिए फिलहाल वोकेशनल क्लास भी संचालित की जा रही है। कलेक्टर ने मौजूद छात्राओं से पढ़ाई एवं अन्य सुविधाओं पर सीधे संवाद किया। छात्राओं ने स्कूल आने जाने में बस एवं किराए की समस्या साझा की जिसपर कलेक्टर ने तुरंत आरटीओ अधिकारी से बात कर बस पास की सुविधा हेतु निर्देशित किया।

कलेक्टर ने आवासीय परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान कंप्यूटर सीखने की रुचि देख इंटरनेट की सुविधा और साथ ही स्मार्ट क्लास हेतु डीएमसी को निर्देशित किया। यहां छात्राओं द्वारा वेस्ट मैटेरियल से बेहद सुंदर क्राफ्ट तैयार किए गए है जिसकी कलेक्टर ने प्रशंसा की। उन्होंने क्ले आर्ट और संगीत में छात्राओं का खासा हुनर देखा। उन्होंने यहां म्यूजिक टीचर के माध्यम से बच्चियों को संगीत सीखाने की बात कही। इस दौरान डीएमसी, सीईओ जनपद पंचायत, एवं जिला तथा खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

33 केवी बिजली का करंट लगने से युवक की मौत

- संवाददाता -
कोरबा, 28 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

जिले के दर्री थाना क्षेत्र अंतर्गत अयोध्यापुरी निवासी एक युवक का 33 केवी बिजली करंट लगने से मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम दिलहरण पाटले,उम्र -27 वर्ष,अयोध्यापुरी निवासी बताया जा रहा है।बताया गया कि मृतक दिलहरन डिश टीवी का छतरी लगाने छत पर चढ़ा था इस दौरान वह 33 केवी बिजली करंट की चपेट में आ गया और नीचे गिर गया। जिसे उपचार के लिए एनटीपीसी चिकित्सालय लाया गया,जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही दर्री पुलिस जांच में जुट गई है।

फड़ लगाकर खेल रहे 06 जुआरियों को पुलिस ने दबोचा

- संवाददाता -
कोरबा, 28 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

विगत गुरूवार को साइबर सेल टीम को जरिए मुखबिर सूचना मिली की सीतामढी रेलवे स्टेशन रोड शनि मंदिर के पास जुगाड़ी जुआ खेल रहे हैं। जुआ की सूचना पर पुलिस अधीक्षक उदय किरण को अवगत करा कर आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा विश्वदीपक त्रिपाठी के मार्गदर्शन पर थाना कोतवाली निरीक्षक रूपक शर्मा एवं साइबर सेल कोरबा प्रभारी निरीक्षक सनत सोनवानी के नेतृत्व में एक संयुक्त टीम बनाकर सीतामढ़ी रेलवे स्टेशन रोड शनि मंदिर के पास बताए स्थान को घेराबंदी कर दबिश देने पर 06 जुवाड़ी हार जीत का दाव लगाकर जुआ खेलते मिले ।06 जुआरियों के कब्जे से रू. 4945 रुपए एवं 52 पत्ती ताश के साथ जुआड़ीयो का 06 नग मोबाईल, 02 नग मोटरसाइकिल मिला जिसे अपराध क्रमांक 275/2023 धारा 4,5 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 कायम कर विधिवत कार्यवाही किया गया कार्यवाही उपरांत माननीय न्यायालय रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त आरोपियों के नाम है 1. समीर खान पिता आसिफ खान उम्र 28 वर्ष सा. पुरानी बस्ती दुर्गा रोड कोरबा 2. सनत कुमार यादव पिता भैयाराम यादव उम्र 44 वर्ष सा. इमली डुग्गू कोरबा 3. विष्णु कुमार पिता स्व. श्री सीताराम गुप्ता उम्र 36 वर्ष सा. सीतामणी रमेश गली कोरबा 4. सम्मी खान पिता सफी मोहम्मद 35 वर्ष सा. ईमलीडुग्गू कोरबा 5. कमल अग्रवाल पिता महेंद्र अग्रवाल उम्र 41 वर्ष सा. सीतामढ़ी चौक कोरबा 6. श्याम सुंदर अग्रवाल पिता नानक चंद अग्रवाल उम्र 50 वर्ष सा. सीतामढ़ी मेन रोड थाना कोतवाली जिला कोरबा है।

जनता का अपार स्नेह ही मेरी सबसे बड़ी ताकत-जयसिंह अग्रवाल

- संवाददाता -
कोरबा, 28 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कोरबा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिक निगम कोरबा के दर्री जोन जमनीपाली साडा कालोनी स्थित प्रतिक्षा बस स्टैंड के पास 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र निर्माण का भूमिपूजन किया।इस दौरान मंत्री श्री अग्रवाल ने भूमिपूजन में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा की जनता का अपार स्नेह ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है इसलिए क्षेत्र की जनता को सड़क,पानी,बिजली जैसे मूलभूत सुविधा मुहैया कराना मेरा प्राथमिकता है । उन्होंने प्रदेश की मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सराहना करते हुए कहा की किसान,मजदूर,महिला स्व सहायता समूह सहित सभी वर्ग के हित में प्रदेश के विकास के लिए सदैव तत्पर रहने की वजह से प्रदेश का नाम आज विकासशील प्रदेश के नाम से जाना व पहचाना जाता है।मुख्यमंत्री श्री बघेल के मार्गदर्शन में आज प्रदेश में चहुंओर विकास ही विकास नजर आ रही है।उन्होंने दर्री क्षेत्र की सर्वांगीण विकास के लिए सदैव तत्पर रहने की बात कही।मंत्री श्री अग्रवाल ने दर्री तहसील का भी जिक्र करते हुए जल्द दर्री तहसील में एसडीएम का पदस्थापना करने की जानकारी दी। अधीक्षण अभियंता पी एल सिदार ने बताया की साडा कॉलोनी में विद्युत उपकेंद्र स्थापित होने से साडा कॉलोनी सहित लाटा,बलगी सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली समस्या नहीं होगी। इस भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में महापौर राजकिशोर प्रसाद,सभापति श्याम सुंदर सोनी,जिला कांग्रेस कमेटी शहर सपना चौहान,पूर्व सभापति संतोष राठौर,धूरपाल सिंह कंवर सहित एल्डरमैन मनीराम साहू,पुराण दास,रेखा त्रिपाठी,आशीष अग्रवाल,पार्षद व एमआईसी सदस्य सुनील पटेल,रोपा तिर्की एवं राजेंद्र सिंह ठाकुर,राजेंद्र तिवारी,सत्येंद्र सिंह राजपूत,कमलेश गर्ग,सुरेंद्र यादव, रतन यादव,छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अधिकारी,कर्मचारीगण,निर्माण एजेंसी के ठेकेदार सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में महिला व पुरुष मौजूद थे।

एमसीबी जिले में पुलिस अधीक्षक से बड़ा ओहदा थानेदार का,थानेदार नहीं मानते अपने कप्तान का आदेश

» पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी तबादला आदेश का नहीं कर रहे थानेदार पालन,कई आरक्षक तबादले के बाद भी नहीं हुए नए थाने रवाना

» आरक्षकों को थानेदार नहीं कर रहे थानों से रवाना,चहेते आरक्षक जमे हुए हैं पुराने पुलिस थानों में...

- रवि सिंह -
एमसीबी 28 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

नवीन जिले एमसीबी में यह कहना गलत नहीं होगा की इस समय थानेदारों का ओहदा पुलिस अधिक्षक से बड़ा दिख रहा है,ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि ऐसे कई आदेशों का पालन थानेदार नहीं कर पा रहें हैं जो पुलिस अधीक्षक के द्वारा जारी आदेश हैं।

बता दें की पुलिस अधिक्षक एमसीबी ने थोक में पुलिसकर्मियों के तबादले किए थे और जारी तबादला आदेश अनुसार कई आरक्षकों को अलग अलग पुलिस थानों में पदस्थ करने की कोशिश इसलिए की गई थी जिससे पुलिस विभाग में कसावट लाई जा सके और वर्षों से एक ही पुलिस थानों में पदस्थ पुलिसकर्मियों का स्थान बदलकर यह कसावट लाई जा सके लेकिन मौजूदा जो हालात हैं उसके अनुसार जिले के थानेदार आरक्षकों को आदेश अनुसार पदस्थ किए पुलिस थानों के लिए रवानगी नही दे रहें हैं और इसकी वजह क्या है यह भी स्पष्ट उनके द्वारा नहीं किया जा रहा है। थानेदारों की इस मनमानी को देखकर यही कहा जा सकता है की पुलिस अधीक्षक का ओहदा थानेदारों से नीचे का जान पड़ता है इसीलिए वह आरक्षकों को रवानगी नहीं दे रहें हैं और अपने ही वरिष्ठ अधिकारी के आदेश की अवहेलना कर रहें हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से आदेश जारी हुए 20 दिन से ज्यादा हो गए और आरक्षकों को थानेदार रवानगी नहीं दे रहें हैं जिस वजह से कुछ आरक्षक भी परेशान हैं। वहीं कुछ पुलिसकर्मी आरक्षक ऐसे भी हैं जिनमे खड़गवां पुलिस थाने में पदस्थ कुछ आरक्षक हैं जिनका तबादला 8 वर्षों में कई बार हुआ लेकिन वह कभी अन्य थानों के लिए रवाना नहीं हुए और एक ही थाने में जमे हुए हैं। ऐसे पुलिसकर्मियों को देखकर यही लगता है की इनका इन्हीं थानों के लिए पट्टा लिखा जा चुका है और इन्हें हटा पाने वाला कोई भी नहीं है।

खड़गवां पुलिस थाने में कई सालों से जमे हुए हैं पांच आरक्षक

जिले के खड़गवां थाने में पांच आरक्षक ऐसे हैं जो कई सालों से एक ही जगह जमे हुए हैं। इन आरक्षकों को आजतक कोई ऐसा अधिकारी नहीं आ सका जो हटा सके। इन आरक्षकों को देखकर यही कहा जा सकता है की यह अपनी मर्जी के हैं और जबतक इनकी मर्जी होगी यह एक ही थाने में रहेंगे और इन्हे कोई अन्यत्र नहीं भेज सकता । जिले के पुलिस विभाग के बड़े अधिकारियों के लिए यह सोचनीय है की ऐसे पुलिसकर्मियों को किस तरह अन्य थानों में भेजा जाए जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली में कसावट आ सके।

थानेदार जिन्हे चाहते हैं पुलिस थानों में रखना, उन आरक्षकों को तबादला होने के बाद भी नहीं करते रवाना

जिले में पुलिस विभाग में पुलिस अधीक्षक की जगह थानेदारों का जलवा है,पुलिस अधीक्षक के आदेश को थानेदार लगातार नजर अंदाज कर देते हैं और उन्हे जिस आरक्षक को अपने थाने में रखना होता है उसका तबादला आदेश जारी होने के बाद भी वह उसे रवाना नहीं करते उसे थाने में ही रोक रखते हैं। पुलिस अधीक्षक भी थानेदारों को कुछ कह नहीं पाते शायद इसीलिए उनके ही आदेश की थानेदार अवहेलना करने से बाज नहीं आते। कुल मिलाकर थानेदार खुद को पुलिस अधिक्षक से भी ऊपर मानते हैं और पुलिस अधीक्षक के आदेश को मानना जरूरी वह नहीं समझते।

न्यायालय तहसीलदार खड़गवां जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर,छ0ग0

रा0प्र0क्र0 02112010100026 / अ-21 / 2022-23
ग्राम खड़गवां तहसील खड़गवां

ईश्तहार

सर्वधारण ग्राम खड़गवां के समस्त ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि आवेदक मिलनपाल आ0 हरपाल जाति कायस्थ निवासी हाउस न. 106 बरसाना रेशिडेन्स अंश बिहार ठाकुरपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया गया हे कि ग्राम खड़गवां स्थित व्यपवर्तित भूमि ख.न. 461/3 रकबा 0.020 हे0 को मुझे रूपयों की आवश्यकता पड़ने के कारण अनावेदक राकेशपाल आ0 नयनपाल जाति पाल निवासी गोदरीपारा चिरमिरी को विक्रय करने हेतु अनुमति बावत आवेदन कलेक्टर महोदय के समक्ष पेश किया है, जिस पर जांच कर प्रतिवेदन देने हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।
अतएव इसं संबंध में ग्राम के किसी भी, व्यक्ति या अधिकर्ता को किसी प्रकार का आपत्ति हो तो वे नियत तिथि 04/05/2023 को स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के साथ उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं। उक्त तिथि पश्चात किसी प्रकार के दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 11/04/2023 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के सील मोहर के साथ जारी किया गया।

सील | तहसीलदार खण्डगंवा

मीराबाई चानू एशियन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2023 के लिए भारत का करेंगी नेतृत्व

नई दिल्ली,28 अप्रैल 2023। साल की अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में, टोक्यो 2020 की पदक विजेता मीराबाई चानू 3 से 13 मई तक दक्षिण कोरिया के जिंजू में एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2023 में छह-व्यक्ति भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगी।

2024 में पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए भारतीय भारोत्तोलकों की दूसरी क्वालीफाइंग प्रतियोगिता ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार महाद्वीपीय चैंपियनशिप होगी।

अपने संयुक्त परिणामों के आधार पर, इन क्वालीफाइंग स्पर्धाओं में भाग लेने वाले भारोत्तोलक अपनी ओलंपिक योग्यता रैंकिंग (ओक्यूआर) बढ़ाने में सक्षम होंगे। पेरिस ओलंपिक के लिए योग्यता प्रक्रिया 28 अप्रैल, 2024 को समाप्त होने के बाद, अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ योग्य एथलीटों की सूची जारी करेगा।

दिसंबर में कोलंबिया में वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2022 में मीराबाई चानू ने अपनी सबसे हालिया प्रतियोगिता में महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में दूसरा स्थान हासिल किया। अपने कंधे और पीठ की बीमारियों के इलाज के लिए, चानू ने एनआईएस पटियाला में पांच महीने की पुनर्वास योजना में भाग लिया। वह 49 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करती रहेंगी।

मीराबाई चानू ने राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण, एक विश्व चैंपियनशिप और एक ओलंपिक रजत पदक जीता है,

लेकिन अभी तक का उनका सर्वश्रेष्ठ महाद्वीपीय समापन ताशकंद में 2020 एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक रहा है।

एशियाई चैंपियनशिप के लिए, चोटिल एथलीट जेरेमी लालरिनुंगा (पुरुष 67 किग्रा) और अचिंता श्युली (पुरुष 73 किग्रा) भी फिर से प्रतिस्पर्धा करेंगे। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में अपने स्वर्ण-विजेता प्रदर्शन के दौरान अपनी पीठ के निचले हिस्से और जांघ की मांसपेशियों में चोट लगने के बाद से, लालरिनुंगा ने किसी भी प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम में भाग नहीं लिया है।दिसंबर में वैश्विक भारोत्तोलन चैंपियनशिप में अपनी प्रतियोगिता शुरू होने से पहले, श्युली ने हैमस्ट्रिंग पुल का अनुभव किया। 73 किग्रा वर्ग में वह राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन भी हैं।

2022 राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं के 55 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाली बिंद्यारानी देवी इस वर्ग में प्रतिस्पर्धा करती रहेंगी। पिछली एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप पिछले साल बहरीन के मनामा में आयोजित की गई थी।

वहीं, हर्षदा गरुड़ ने महिलाओं के 45 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत को कुल मिलाकर सिर्फ एक पदक मिला।

एशियन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2023- भारतीय टीम - महिला- मीराबाई चानू (49 किग्रा), बिंदयारानी देवी (55 किग्रा) - पुरुष- शुभम तोडकर (61 किग्रा), जेरेमी लालरिनुंगा (67 किग्रा), अचिंता शूली (73 किग्रा), नारायण अजित (73 किग्रा)।

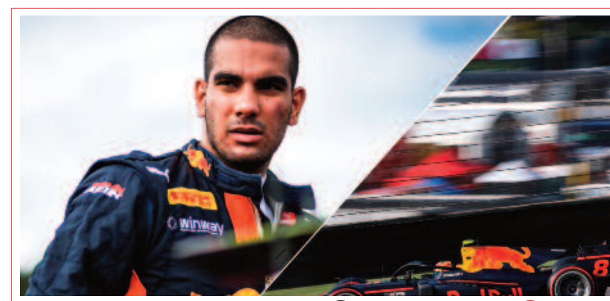

अजरबैजान में पोडियम की हैट्रिक बनाने उतरेंगे भारत के जेहान दारुवाला

मुम्बई ,28 अप्रैल 2023। भारतीय रेसर जेहान दारुवाला अजरबैजान में फार्मूला 2 चैंपियनशिप में पोडियम की हैट्रिक बनाने उतरेंगे। यह चैंपियनशिप एक महीने के ब्रेक के बाद बाकू शहर के सर्किट में लौट रही है।

24 वर्षीय दारुवाला, डच टीम एमपी मोटरस्पोर्ट के लिए रेस करते हैं, 2021 में इसी स्थल पर अपनी पहली यात्रा के दौरान छह किमी लम्बे स्ट्रीट ट्रैक पर तीसरे स्थान पर रहे थे।

पिछले वर्ष उन्हें दूसरा स्थान मिला था। वह विजेता से आधा सेकेंड पीछे रहे थे । इस बार वह न केवल जीत की उम्मीद कर रहे हैं बल्कि तीसरी बार पोडियम पर आना चाहते हैं।

जेहान ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, बाकू मेरे लिए पसंदीदा मैदान रहा है। पुराने शहर के तंग और मुश्किल सैक्शन को छोड़कर यह प्रारूप जेद्दाह जैसा है जो मेरी ड्राइविंग शैली का पूरा टेस्ट लेता है।उन्होंने कहा, मैं पिछले वर्ष यहां जीतने से मामूली अंतर से चूक गया था लेकिन अब मैं सहज, रिचार्ज और सप्ताहंत के लिए पूरी तरह तैयार हूं।चैंपियनशिप फार्मूला वन ग्रां प्री के लिए सपोर्ट सीरीज की तरह है। शुक्रवार को अभ्यास और च ालीफाइंग रेस होंगी। शॉर्टर स्प्रिंट रेस शनिवार को होगी और मुख्य रेस रविवार को होगी।

पहलवानों की शिकायत पर आज ही होगी एफआईआर

» अनुराग ठाकुर ने भी कही यही बात

नई दिल्ली,28 अप्रैल 2023। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि वह देश के शीर्ष पहलवानों के विरोध प्रदर्शन के बीच कुश्ती संघ के प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करेगी। सॉलिसिटर जनरल , तुषार मेहता ने भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ के समक्ष यह बात कही है। दिल्ली पुलिस ने शीर्ष अदालत को प्राथमिकी के बारे में सूचित किया क्योंकि शीर्ष अदालत बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों वाली शीर्ष महिला पहलवानों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। शीर्ष अदालत ने पुलिस अधिकारियों से खतरे का आकलन करने और नाबालिग पहलवान को सुरक्षा मुहैया कराने को कहा। इस मामले पर 5 मई को फिर से सुनवाई होगी।

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में महिला पहलवानों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए निर्देश जारी करने का आग्रह किया। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को नाबालिग लड़की को सुरक्षा प्रदान करने के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए एक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को खतरे की आशंका का पर्याप्त आकलन करने और नाबालिग लड़की को सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया। दूसरी ओर पूरे मामले को लेकर खेल मंत्री अनुराग ठाकुर का भी बयान सामने आया है।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि पिछली बार भी मैंने(पहलवानों से) मुलाकात की। उनसे बात कर समिति का गठन किया गया। उस समिति के सामने सभी को पेश होने का अवसर दिया गया। समिति में महिलाओं को ज्यादा तादाद में रखा गया क्योंकि महिला के सामने वो खुलकर अपनी बात रख सकती हैं। उन्होंने कहा कि हमने निष्पक्ष चुनाव के लिए ढ्ढह्र को अधिकार दे दिया, जिसने कल अपनी एक समिति गठित कर दी। ये समिति वहां पर चयन प्रक्रिया, टूर्नामेंट आयोजन और आंतरिक शिकायत समिति का गठन करेगी। सभी कदम उसी दिशा में है।

भारत के अंडर-17 ने अभ्यास मैच में एटलेटिको मैड्रिलिनो अंडर-16 को दी मात

नई दिल्ली,28 अप्रैल 2023। भारत की अंडर-17 पुरुष फुटबॉल टीम ने अपने स्पेन दौरे में मेड्रिड में खेले गए एक अभ्यास मैच में एटलेटिको मैड्रिलिनो अंडर-16 टीम को 2-1 से हराया. भारत की अंडर 17 फुटबॉल टीम थाईलैंड में जून में होने वाले एएफसी अंडर 17 एशियाई कप की तैयारियों के लिए इस समय स्पेन में है और वहां अभ्यास मैचों के जरिए अपनी तैयारी कर रही है.

गुरुवार को खेले गए इस मैच में थंगलसौन गंगटे और लालपेख्लुआ ने भारत के लिए दूसरे हाफ की शुरुआत में गोल किए. स्थानीय टीम की तरफ से एकमात्र गोल टालोन ने किया. पहला हाफ गोल रहित छूटने के बाद स्पेन की टीम ने दूसरे हाफ के शुरू में आक्रामक रवैया अपनाया लेकिन वह भारत था जिसने पहले बढ़त हासिल की. गंगटे ने कोरोउ के पास पर भारत के लिए पहला गोल किया. इन दोनों खिलाड़ियों ने इसके बाद फिर से अच्छा मूव बनाया और लालपेख्लुआ को पास दिया जिन्होंने उस पर गोल करने में कोई गलती नहीं की.

एसआरआईव्हीएसआईआरई के मुकाबले में मेजबान टीम ने बनाया खास रिकॉर्ड

» भारत-पाकिस्तान के बाद उपबल्धि हासिल करने वाली तीसरी टीम बनीं

नई दिल्ली,28 अप्रैल 2023। क्रिकेट के मुकाबलों में अगर किसी टीम के ओपनिंग और टॉप ऑर्डर खिलाड़ियों ने दमदार शुरुआत कर दी तो टीम को काफी मजबूती मिलती है। क्रिकेट टीम के टॉप ऑर्डर की धमाकेदार पर्फॉर्मेंस के जरिए मैच में जीत हासिल करना काफी आसान हो जाता है। बल्लेबाजों के मजबूत खेल के जरिए मैच टीम के कब्जे में रहता है। ऐसे काफी कम मुकाबले होते हैं जिनमें टीम का पूरा टॉप ऑर्डर ही धमाकेदार प्रदर्शन करता दिखता है। ऐसे मुकाबले विरले ही देखने को मिलते हैं बल्कि ये मुकाबले क्रिकेट के इतिहास में काफी खास भी हो जाते है। ऐसा ही एक मुकाबला हाल ही में देखने को मिला है जिसमें पूरी टीम के टॉप ऑर्डर ने धमाकेदार प्रदर्शन कर बल्लेबाजी को खास पहचान दिलाई है।

आयरलैंड के खिलाफ श्रीलंका का कमाल

बता दें कि इस बार श्रीलंका की टीम ने आयरलैंड के खिलाफ अपने ही घर में खेलते हुए धमाकेदार प्रदर्शन किया है।

श्रीलंका के गॉल में खेले गए इस मुकाबले में श्रीलंका के टॉप-4 खिलाड़ियों निशान मधुशका (205 रन), कप्तान दिमुथ करुणारत्ने (115 रन), कुसल मेंडिस (245 रन) और एंजेलो मैथ्यू (नाबाद 100 रन) ने धमाकेदार शतकीय पारियां खेली है। क्रिकेट के इतिहास में ये कारनामा सिर्फ तीसरी बार हो रहा है, जिसे एक बार और एशियाई टीम ने हासिल किया है।

भारत कर चुका है उपलब्धि हासिल

बता दें कि ये उपलब्धि सबसे पहले भारतीय टीम ने हासिल की थी। भारतीय क्रिकेट टीम दुनिया की पहली ऐसी टीम बनी थी जिसके टॉप चार खिलाड़ियों ने टेस्ट मुकाबले में धमाकेदार शतक जड़े थे। सचिन तेंदुलकर (नाबाद 122 रन), राहुल द्रविड़ (129), वसीम जाफर (नाबाद 138 रन) और दिनेश कार्तिक (129) ने 2007 में बांग्लादेश के खिलाफ ढाका टेस्ट में शतकीय पारियां खेलकर इतिहास रचा था।

इसके बाद पाकिस्तान की टीम ने भारत के रिकॉर्ड बनाने के 12 वर्षों बाद ये मुकाम हासिल किया था। पाकिस्तान की टीम ने 2019 में ये रिकॉर्ड बनाया था। पाकिस्तान की टीम ने श्रीलंका के खिलाफ खेले गए टेस्ट मुकाबले में ये उपलब्धि हासिल की थी। कराची में खेले गए इस मुकाबले में पाकिस्तान के टॉप ऑर्डर के खिलाड़ी शान मसूद (135), आबिद अली (174), अजहर अली (118) और बाबर आजम (नाबाद 100 रन) ने शतक जड़े थे।

इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के खास क्लब में शामिल हुआ पाकिस्तान

न्यूजीलैंड को हराने के बाद हासिल की उपलब्धि

रावलपिंडी ,28 अप्रैल 2023। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत पाकिस्तान में हो गई है। सीरीज का पहला मुकाबला रावलपिंडी में खेला गया, जिसके पाकिस्तान की टीम ने पांच विकेट से आसानी से जीत लिया। इस मुकाबले को जीतकर पाकिस्तान की टीम ने खास मुकाम हासिल कर लिया है। बाबर आजम की कप्तानी में पाकिस्तान की टीम अपना सुनहरे दिन देख रही है। इसी बीच पाकिस्तान की टीम ने न्यूजीलैंड को जैसे ही पांच विकेट से मात दी वैसे ही टीम ने खास कारनामा भी कर दिया है। इस उपलब्धि को हासिल करने के बाद पाकिस्तान की टीम दुनिया की चुनिंदा तीन टीमों में शामिल हो गई है जिन्होंने ये इतिहास रचा हुआ है।

हासिल की ये उपलब्धि

पाकिस्तान की टीम अब भारत और ऑस्ट्रेलिया की तरह 500 एकदिवसीय मुकाबले जीतने वाली टीम बन गई है। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान की जीत कोई आम जीत नहीं रही बल्कि ये पूरी टीम के लिए ऐतिहासिक जीत बन गई है। इस जीत के साथ ही पाकिस्तान दुनिया की तीसरी टीम बन गई है जिसने अब तक 500 एकदिवसीय मुकाबलों में जीत हासिल की है। पाकिस्तान की टीम ने अब तक कुल 949 मुकाबले जीते हैं जिनमें से पाकिस्तान को 500 मुकाबलों में जीत मिली है। पाकिस्तान ने जैसे ही न्यूजीलैंड को रावलपिंडी में मात दी वैसे ही टीम 500वां मुकाबला जीतने वाली तीसरी टीम बन गई है। टीम के लिए ये बेहद खास उपलब्धि है क्योंकि ऐसा अब तक काफी कम ही टीमें कर सकी है। अब तक पाकिस्तान को कुल 420 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। इस मुकाबले में पाकिस्तान के गेंदबाज फखर जमान का अहम योदगान रहा था। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए पहले एकदिवसीय मुकाबले में कप्तान बाबर आजम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। इस मुकाबले में उन्होंने 13 चौकों और एक छक्के की मदद से 114 गेंदों में 117 रन बनाए। वहीं न्यूजीलैंड की टीम ने 50 ओवर में सात विकेट खोकर 288 रन बनाए जबकि पाकिस्तान ने सिर्फ 48.3 ओर में पांच विकेट के नुकसान पर 291 रन बनाकर इस मुकाबले में धमाकेदार जीत दर्ज कर ली।

नमोशी और अमरीन ने डेब्यू फिल्म में जीते दिल

कलात्मक फिल्मों के दिग्गज निर्देशक गोविंद निहलानी के सहायक के रूप में अपना फिल्मी सफर शुरू करने वाले राजकुमार संतोषी ने हिंदी सिनेमा को चंद बेहतरीन फिल्में दी हैं। सनी देओल ने उन्हें फिल्म घायल' से स्थापित होने का मौका दिया। बॉबी देओल की बड़े परदे पर फिल्म बरसात' से लॉन्चिंग के लिए उन पर भरोसा किया। रणबीर कपूर और कैटरीना कैफ की फिल्म अजब प्रेम की गजब कहानी' उनकी आखिरी कामयाब फिल्म मानी जाती है। बीच में उन्होंने द लेजेंड ऑफ भगत सिंह' और खाकी' जैसी ऐसी फिल्में भी दी जिससे लगने लगा था कि वह बदलते दौर के साथ खुद को बदल रहे हैं। निर्माता साजिद कुरैशी ने अपनी बेटी अमरीन और सुपरस्टार रहे मिथुन चक्रवर्ती के बेटे नमोशी की लॉन्चिंग के लिए उन पर शायद इसी के चलते भरोसा किया लेकिन फिल्म बैड बॉय' की सबसे कमजोर कड़ी अगर कोई है, तो वह राजकुमार संतोषी की कहानी और उनका निर्देशन ही है। अपनी पहली फिल्म के हिसाब से नमोशी और अमरीन दोनों ने कैमरे के सामने काफी मेहनत की है और आने वाले दिनों के लिए उम्मीद भी जगाई है।

खैर, एक कमजोर कहानी के बावजूद राजकुमार संतोषी ने एक ऐसी फिल्म बनाने की कोशिश की है जिसे पूरे परिवार के साथ बैठकर कम से कम एक बार तो देखा ही जा सकता है। और, इसके लिए तारीफ के जितने हकदार फिल्म के कलाकार हैं, उतनी ही तारीफ फिल्म के एडीटर की भी बनती है। फिल्म की पैकेजिंग शायद नए सिरे से दोबारा की गई है, बीच बीच में ग्राफिक्स का इस्तेमाल अच्छा है। और, शूटिंग के दौरान बनी रही दिक्कतों को काफी हद तक इसके चलते दूर भी किया गया है। स्टीवन बर्नार्ड और उनकी टीम इसके लिए तारीफ के हकदार हैं। रही बात संतोषी के निर्देशन की तो पूरी फिल्म में कहीं वह अपने निर्देशन की छाप छोड़ पाने में पूरी तरह विफल रहे हैं। कभी दर्शक पोस्टर पर सिर्फ उनका नाम पढ़कर फिल्म देखने के लिए लालायित हो जाते रहे हैं, लेकिन फटा पोस्टर निकला हीरो' के बाद से उनका करिश्माई अंदाज गायब है, और उसका सीधा नुकसान फिल्म बैड बॉय' को उठाना पड़ सकता है।

अपने जमाने के सुपरस्टार रहे मिथुन चक्रवर्ती के दूसरे बेटे नमोशी फिल्म बैड बॉय' से बतौर हीरो अपना करियर शुरू कर रहे हैं। मिमोह की तुलना में नमोशी बेहतर तैयारी के साथ कैमरे के सामने उतरे हैं। उनके अभिनय में एक लय नजर आती है। कहीं कहीं शुरुआती दिनों के मिथुन की झलक भी उनमें दिखती है। संवाद अदायगी फिल्म के पहले हिस्से में उनकी थोड़ी कमजोर दिखती है लेकिन कॉमेडी छोड़कर जब बात गंभीर अभिनय की आती है तो नमोशी उसमें फर्स्ट डिवीजन पास होने भर को नंबर हासिल कर लेते हैं। खासतौर से क्लाइमेक्स में अस्पताल वाले उनके सीन गौर करने लायक हैं और ये दृश्य ही नमोशी से आने वाले दिनों की उम्मीद भी जगाते हैं। जिस दौर में बड़े बड़े कलाकार लिप सिंक गानों से परहेज करते हों, नमोशी ने इस चुनौती को भी फिल्म बैड बॉय' में स्वीकार किया है। वह नाचते अच्छा हैं और अपने पिता मिथुन के साथ नाचते हुए तो वह और भी क्यूट' लगते हैं।

'मैं हूं अपराजिता' में श्वेता तिवारी ने 200 एपिसोड पूरे किए

मैं हूं अपराजिता' की अभिनेत्री श्वेता तिवारी ने शो में अपराजिता के रूप में अपने सफर को याद किया, जिसने हाल ही में 200 एपिसोड पूरे किए हैं। उन्होंने अपने सह-अभिनेता मानव गोहिल और पारिवारिक नाटक के पूरे कलाकारों के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। यह शो श्वेता के चरित्र अपराजिता के इर्द-गिर्द घूमता है, जो तीन बेटियों की मां है, जिसे अनुष्का मर्क डे, ध्वनि गोरी और श्रुति चौधरी ने निभाया है और पति के लिए पत्नी होने का उनका संघर्ष, पति का किरदार मानव गोहिल द्वारा निभाया गया है, जो एक अन्य महिला के प्यार में है, जिसे श्वेता गुलाटी ने निभाया है। अपना आभार व्यक्त करते हुए, श्वेता ने कहा- वास्तव में, जबकि हम सभी 200 एपिसोड पूरे करके खुश हैं, हमें यह भी लगता है कि अभी कई अध्याय लिखे जाने बाकी हैं। अपराजिता की भूमिका निभाना मेरे लिए एक अविश्वसनीय अवसर रहा है और मैं आभारी हूं मुझे ऐसी प्रतिभाशाली और सहायक टीम के साथ काम करने का मौका मिला, जिसने मुझे इस जटिल चरित्र को जीवंत करने में मदद की है। इसके पीछे विचार यह है कि अपने दर्शकों को एक सम्मोहक कहानी और पात्रों के साथ मनोरंजन और संलग्न किया जाए, जिन्हें वह प्यार करने लगे हैं।

मानव ने यह भी याद किया कि कैसे उन्होंने शो की शूटिंग शुरू की और कहा कि दर्शकों की सराहना और प्यार के कारण शो ने 200 एपिसोड पूरे कर लिए हैं। उन्होंने कहा- ऐसा लगता है जैसे कल ही हमने शो की शूटिंग शुरू की थी, और अब हम पहले ही 200 एपिसोड तक पहुंच चुके हैं। मैं अक्षय की भूमिका निभाने और आने वाले समय में अपने किरदार के नए आयाम पेश करने को लेकर उत्साहित रहता हूं। मैं हूं अपराजिता' जी टीवी पर प्रसारित होता है।

जब महेश भट्ट को मौसमी ने दिया था करारा जवाब

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौसमी चटर्जी की गिनती बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्रियों की लिस्ट में होती है। अपने फिल्मी करियर के दौरान एक्ट्रेस ने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। मौसमी अपनी बेहतरीन एक्टिंग, खूबसूरती और बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस ने एक बार अवॉर्ड शो के दौरान फिल्म मेकर महेश भट्ट की बोलती बंद कर दी थी।इस बात का खुलासा एक्ट्रेस ने हाल ही में एक मीडिया संस्थान को दिए गए इंटरव्यू में किया है। मौसमी ने कहा कि एक बार महेश भट्ट ने उनसे कहा था कि जब तुम्हारा करियर आगे बढ़ रहा होता है,तब तुम प्रेग्नेंट हो जाती हो, जो तुम्हारे करियर में रुकावट बनती है। इस पर एक्ट्रेस ने उन्हें मुहंतोड़ जवाब दिया था।

मौसमी ने महेश भट्ट के इस कमेंट पर कहा था कि ये सब मेरी जिंदगी में रंग भर रहे हैं, बाधा नहीं हैं। इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने प्रेग्नेंसी को लेकर भी कोई प्रेशर महसूस नहीं किया। उन्हें ऐसा कभी नहीं लगा कि उनका करियर खत्म हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि मेरे लिए स्टार वैल्यू या स्टारडम इतना मायने नहीं रखता था। उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया कि, जब अभिनेत्री रोटी कपड़ा और मकान के दौरान प्रेग्नेंट हो गई थीं। तब मनोज कुमार उनसे नाराज हो गए थे।वर्कफ्रंट की बात करें तो मौसमी चटर्जी ने अनुराग', रोटी कपड़ा और मकान', मंजिल', अंगूर', घर एक मंदिर', पीकू' जैसी कई फिल्मों में दमदार एक्टिंग की थी।

2023 में छाई आलिया भट्ट की गंगूबाई काठियावाड़ी', बधाई दो' का भी रहा बोलबाला

68वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में राजकुमार राव को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और आलिया भट्ट को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया है।

68वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में राजकुमार राव को बधाई दो के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेता जबकि आलिया भट्ट को फिल्म गंगूबाई काठयावाड़ी के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया। सलमान खान ने फिल्म फेयर अवार्ड शो को आयुष्मान खुराना और मनीष पॉल के साथ होस्ट किया। इस बार फिल्मफेयर अवॉर्ड में गंगूबाई काठयावाड़ी' और बधाई दो' का बोलबाला रहा।

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार संजय लीला भंसाली को फिल्म गंगूबाई काठयावाड़ी के लिये दिया गया। अनिल कपूर को जुगजुग जियो के लिये सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता और बेस्ट एक्टर सपोर्टिंग रोल (फीमेल), शीबा चड्ढा को (बधाई दो) के लिये मिला।

मुख्यमंत्री ने कुरूद को 82 करोड़ 39 लाख रुपए की सौगात दी

» प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के साथ ही अन्य विकास कार्यों की घोषणाएं की

» मुख्यमंत्री ने मई दिवस के अवसर पर श्रमिकों को किया आमंत्रित,कहा झारा-झारा न्योता हे आप मन के

रायपुर,28 अप्रैल 2023(ए)। कुरूद विधानसभा में भेंट मुलाकात के लिए पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यहां सेमरा ग्राम में ग्रामीणों से शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति जानी। साथ ही उन्होंने इस अवसर पर 82 करोड़ 39 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किया। लोकार्पित होने कार्यों में 45 करोड़ 27 लाख रुपए के 31 कार्य शामिल हैं। 37 करोड़ रुपए की लागत से 34 कार्यों का भूमिपूजन भी किया।

मुख्यमंत्री ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए कहा कि हम लोग श्रमिकों के लिए भी कार्य कर रहे हैं। भूमिहीन श्रमिकों को राशि दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मई दिवस के अवसर पर श्रमिकों के लिए रायपुर में सम्मेलन कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ी में अपनी चर्चा में मुख्यमंत्री ने श्रमिकों से कहा कि आप मन के झारा-झारा न्योता हे। इस मौके पर महिला एवं बाल विकास तथा जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती अनिला भेड़िया, सिहावा विधायक श्रीमती लक्ष्मी ध्रुव, अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु जी पिल्लै, मुख्यमंत्री के सचिव श्री एस भारतीदासन, संभागायुक्त श्री यशवंत कुमार, एसपी श्री प्रशांत ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा अधिकारीगण मौजूद रहे।

भेंट-मुलाकात में मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों को किया चेक और सामग्रियों का वितरण

वर्मी कंपोस्ट से फसल में बीमारी नहीं- मुख्यमंत्री ने सबसे पहले किसानों से बातचीत की। भखारा निवासी एक किसान ने बताया कि वर्मी कंपोस्ट के बड़े अच्छे नतीजे आये हैं। फसल में बीमारी बिल्कुल नहीं हुआ। इससे काफी बचत हो गई। इसके साथ ही 3 लाख रुपए का ऋण माफ हो गया है। अभी तो सरकार ने 20 क्विंटल धान खरीदी की घोषणा कर दी है। इससे तो किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा। किसान गोविंद राम साहू ने बताया कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना की सारी किश्त मिल गई है। एक एकड़ खेत था। कुछ कर्ज था जो कर्जमाफी योजना के चलते माफ हो गया। वर्मी कंपोस्ट की बात आई तो बसंती साहू ने बताया कि हम लोग वर्मी खाद बनाते हैं और इसकी अच्छी खासी बिक्री होती है। अभी उनके समूह ने 77 हजार रुपए का वर्मी कंपोस्ट बना लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमि की ऊर्वरा शक्ति बनी रहे, इसके लिए जरूरी है कि हम जैविक खाद का ही प्रयोग करें। अस्पताल तो आप गांव में भेज देते हैं- जब मुख्यमंत्री ने हाट बाजार में मोबाइल वैन के बारे में पूछा तो अमृत लाल साहू भेंडरवानी ने बताया कि ये तो बहुत अच्छी योजना है। इस योजना में तो हमको अस्पताल तक नहीं जाना पड़ता। अस्पताल ही गाँव में आ जाता है। हाटबाजार जाते हैं तो इलाज करा लेते हैं और मुफ्त में दवा भी मिल जाती है। राजेश्वरी ने बताया कि मेरा बेटा 3 साल का है पहले कमजोर था। मुख्यमंत्री सुपोषण मिशन का लाभ उठाया और अब पूरी तरह स्वस्थ और तंदरूस्त है।

स्वामी आत्मानंद स्कूल की वजह से हमारे 50 हजार रुपए बचे, बचत से हायर स्टडी में मिलेगी मदद

प्रियांशु दास मानिकपुरी स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि शिक्षक भी बहुत अच्छे हैं। मेरे पिता भी सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं। यहां पढ़ाई बहुत अच्छी है। प्रियांशु ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। सान्या गायकवाड ने बताया कि मैं कामर्स संकाय की छात्रा हूँ। सान्या ने बताया कि वो छाती में रहती है वो कुरूद स्थित स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ती हूँ। मेरे पिता किसान है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इनके पिता किसान हैं और अपने बच्चे की पढ़ाई के लिए कितना ध्यान रख रहे हैं। सान्या ने बताया कि इसके पहले उसे 30 हजार रुपए देने पड़ते थे और 50 हजार तक बस का खर्च मिलाकर हो जाता था। अब मैं इस बचे पैसे को हायर एजुकेशन में खर्च करूंगी।

मुख्यमंत्री की घोषणाएं

इस अवसर पर सेमरा बी में मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों संबंधित महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की। इसमें कुरूद-चर्रा-कातलबोड-नवागांव मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण , गाड़ाडीह-परखंदा-गुदगुदा नारी मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, कुरमातराई, भेण्डरा, कोर्रा जुगदेही, सिलौटी, सेमरा, अरकार मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य शामिल है। साथ ही ग्राम पंचायत सेमरा बी में पशु औषधालय का पशु चिकित्सालय में उन्नयन, नगर पंचायत भखारा में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में विभिन्न निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत गातापार के अंतर्गत सिर्री और कोर्रा में मुक्तिधाम, ग्राम पंचायत के भेंडरी के बालक प्राथमिक शाला का नामकरण स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय शिवप्रसाद साहू(शिक्षक) के नाम पर करने की घोषणा की। उन्होंने ग्राम पंचायत सेमरा बी में धान खरीदी केंद्र सेमरा में शेड एवं खाद गोदाम का निर्माण करने तथा ग्राम कोर्रा में जिला सहकारी बैंक हेतु भवन के निर्माण की घोषणा भी की।किसान हैं और अपने बच्चे की पढ़ाई के लिए कितना ध्यान रख रहे हैं।

श्रम दिवस पर होगा श्रमवीरों का सम्मान

» बघेल विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 47.12 करोड़ रूपये की राशि का बैंक खातों में करेंगे अंतरण

रायपुर,28अप्रैल 2023(ए)। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस 01 मई के अवसर पर राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम के अध्यक्षता श्रम मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया करेंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री बघेल लगभग एक लाख श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 47.12 करोड़ रूपए की राशि डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खातों में राशि का अंतरण और आरंग और पाटन में श्रमिक सहायता केन्द्र का शुभारंभ भी करेंगे।

साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित किए जा रहे श्रम सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए श्रमिक हिस्सा लेंगे। इस सम्मेलन में श्रम विभाग द्वारा श्रमिक कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं से लाभांवित हितग्राहियों का सम्मान भी किया जाएगा। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के विकास में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए मुख्यमंत्री श्री बघेल की मंशा के अनुरूप श्रमिक दिवस के दिन श्रम के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने प्रदेश में बोरे-बासी तिहार का भी आयोजन किया जा रहा है।

डीबीटी के माध्यम से 47.12 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की जाएगी

श्रम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार श्रम सम्मेलन में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अतर्गत 83086 हितग्राहियों को 22.76 करोड़ रूपए छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक मंडल अंतर्गत 11542 हितग्राहियों को 20.83 करोड़ रूपए, छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल अतर्गत 6457 हितग्राहियों को 3.09 करोड़ रूपए तथा कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं अंतर्गत 50 बीमित व्यक्ति को चिकित्सा हितलाभ राशि 44.55 लाख रूपए इस प्रकार कुल 101135 हितग्राहियों के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से 47.12 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की जाएगी।

सुरक्षित गर्भपात सेवाओं में नवाचार के लिए छत्तीसगढ़ को प्रथम पुरस्कार

» 'ई-कल्याणी' एप्प द्वारा राज्य में की जा रही है सुरक्षित गर्भपात सेवाओं की निगरानी

रायपुर,28 अप्रैल 2023(ए)। सुरक्षित गर्भपात सेवाओं में नवाचार के लिए छत्तीसगढ़ को प्रथम पुरस्कार मिला है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में आयोजित गर्भपात देखभाल पर राष्ट्रीय परामर्श कार्यक्रम में राज्य को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रदेश के निजी चिकित्सालयों में सुरक्षित गर्भपात सेवाओं की उपलब्धता तथा एमटीपी अधिनियम के पालन की निगरानी के लिए ई-कल्याणी एप तैयार किया गया है। सुरक्षित गर्भपात सेवाओं में इस नवाचार के लिए छत्तीसगढ़ को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। मातृत्व स्वास्थ्य के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र अग्रवाल और राज्य सलाहकार अभिलाषा शर्मा रात्रे ने छत्तीसगढ़ की ओर से यह पुरस्कार ग्रहण किया।

देश में सुरक्षित गर्भपात सेवाओं की निगरानी के लिए एमटीपी एक्ट लागू किया गया है। मेडिकल टर्मिनेशन आफ प्रेग्नेंसी (संशोधन) एक्ट, 2021 के अनुसार गर्भवती महिला 24 हफ्ते तक गर्भपात करा सकती है। यौन उत्पीड़न, दुष्कर्म, नाबालिग या गर्भावस्था के दौरान वैवाहिक स्थिति में बदलाव (विधवा और तलाक), शारीरिक रूप से अक्षम और मानसिक रूप से बीमार महिलाओं को गर्भपात की अनुमति है। साथ ही वे महिलाएं भी गर्भपात करा सकती हैं जिनके गर्भ में पल रहे भ्रूण में विकृति हो। प्रदेश में निजी चिकित्सालयों में सुरक्षित गर्भपात सेवाओं की उपलब्धता एवं एमटीपी एक्ट के पालन की निगरानी के लिए ई-कल्याणी एप तैयार किया गया है। इस एप के माध्यम से निजी चिकित्सालय अधिनियम के अंतर्गत सेवाएं प्रदान करने के लिए आवेदन कर सकती हैं जिसकी जिला स्तरीय समिति द्वारा समीक्षा कर अनुमति प्रदान की जाती है।

छत्तीसगढ़ में अभी ई-कल्याणी एप में 136 निजी चिकित्सालय पंजीकृत हैं जहां एमटीपी एक्ट के तहत सुरक्षित गर्भपात सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इनके साथ ही 193 शासकीय चिकित्सालयों में भी सुरक्षित गर्भपात संबंधी सेवाएं उपलब्ध हैं। राज्य में सुरक्षित गर्भपात सेवाओं के संचालन में आईपास डेवलपमेन्ट फाउंडेशन द्वारा सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

अनिल टुटेजा को गिरफ्तार नहीं कर सकेगी ईडी

» सुप्रीम कोर्ट ने इस वजह से दिया ये आदेश

रायपुर,28 अप्रैल 2023(ए)। मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में घिरे अफसर अनिल टुटेजा को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत देते हुए फैसला सुनाया है कि अनिल टुटेजा को श्रष्ठ को गिरफ्तार नहीं कर सकेगी। आज शुक्रवार सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है। अनिल टुटेजा और यश टुटेजा की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी कि श्रष्ठ की तरफ से गलत कार्रवाई की जा रही है।

याचिका में कोर्ट से गुजारिश की गई थी कि ईडी जिस मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्रवाई करना चाह रही है उसमें कोई ठोस बेस नहीं है। यानि ईडी ने यह नहीं बताया कि टुटेजा ने कैसे अवैध धन का उपार्जन किया और कैसे इसकी मनी लॉन्ड्रिंग की। जबकि ईडी नियमावली में ये बताते हुए ही केस रजिस्टर किया जाता है जो नहीं किया गया। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस संजय किशन कौल, और एहसानुद्दिन अमनउल्लाह दो जजों ने सुनवाई करके फैसला सुनाया है।

बताया जा रहा है कि जुलाई के दूसरे सप्ताह में इस मामले में फिर सुनवाई हो सकती है, तब तक श्रष्ठ टुटेजा के खिलाफ गिरफ्तारी जैसा एक्शन नहीं ले सकती। आईएएस अनिल टुटेजा ने छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव को पत्र भी किखा था जिसमे उन्होंने जानकारी दी थी की वे 28 अप्रैल तक अवकाश पर हैं।

हर्राकोडेर के जिओ टावर में नक्सलियों ने की आगजनी

दंतेवाड़ा ,28 अप्रैल 2023(ए)। जिले के मालेवाही थाना के समीप हर्राकोडेर में लगे जिओ टावर में नक्सलियों ने आगजनी की है। वहीं नक्सलियों की पूर्व बस्तर डिवीजन कमेटी ने बैनर भी टांगा है। इस बैनर में नक्सलियों ने कहा है हितामेटा के भाजपा कार्यकर्ता और बोधघाट परियोजना समर्थक और पुलिस की मुखबिरी करने वाले रामधर आलामी को पीएलजीए ने मौत की सजा दी है। इस घटना के बाद इलाके में डर का माहौल देखा जा रहा है। जिओ टावर में आगजनी के बाद मोबाइल में नेटवर्क भी नहीं आ रहा है।

उल्लेखनिय है कि 26 अप्रैल को अरनपुर में आईडी ब्लास्ट में 10 जवान शहीद हो गए, जबकि एक ड्राइवर की मौत भी हुई थी। इसके बाद नक्सलियों ने ओरछा मुख्य मार्ग को एक बार निशाना बनाया। बीती रात अलग-अलग जगह सड़क खोदकर व पेड़ डालकर रोड जाम कर दिया गया है। ओरछा मुख्य मार्ग के धनोरा ग्राम से लेकर ओरछा अबूझमाड़ प्रवेश द्वार कहे जाने वाली जगह तक नक्सलियों ने लगभग छह किलोमीटर सड़क को प्रभावित किया। नक्सलियों ने सड़क में बैनर और पोस्टर भी टांग रखा है। पिछ्ले कुछ दिनो पहले लगभग एक सप्ताह तक ओरछा रोड को बंद कर रखा था। सुरक्षा बलों के जवानों ने इस मार्ग को बड़ी मुश्किल से बहाल किया था।

मुख्यमंत्री के आदेश की अवहेलना

» मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद भी स्टेट हाईवे का नहीं हुआ चौड़ीकरण

नारायणपुर, 28 अप्रैल 2023 (ए)। जिले के प्रवास के दौरान 28 माह पूर्व 09 जनवरी 2021 को लोगों की मांग पर मुख्यमंत्री ने स्टेट हाईवे 05 नारायणपुर-अंतागढ सड़क के चौड़ीकरण की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री की घोषणा को 28 माह पूरे हो गए। लेकिन अब तक सड़क चौड़ीकरण नहीं हो पाया है। नारायणपुर वासी इसी रास्ते से राजनांदगांव, दुर्ग, दल्ली राजहरा जाते है। इसके अलावा प्रदेश की राजधानी रायपुर जाने के लिए भी अंतागढ़ होते हुए दूरी कम पड़ती है। इससे रायपुर जाने के लिए इसी

सड़क उपयोग किया जाता है। जिले के लोग नारायणपुर से अंतागढ़ स्टेट हाईवे 05 सड़क के चौड़ीकरण होने की राह देख रहे हैं। अंतागढ़ से नारायणपुर 48 किलोमीटर सड़क वनवे है। इस मार्ग पर बड़ी संख्या में वाहनों का आवागमन होता है। सड़क वनवे होने से आवागमन प्रभावित होता है। वहीं आए दिन दुर्घटनाएं भी होती रहती है।

रमन सिंह ने बिरनपुर घटना पर सरकार को घेरा

» अपराधी पर कार्रवाई नहीं करने का लगाया आरोप

रायपुर,28अप्रैल2023(ए)। पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने बिरनपुर की घटना को लेकर सरकार को घेरा. उन्होंने कहा कि जो अपराधी खुले में घूम रहे हैं, जब तक उनपर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक पीड़ित परिवार को संतोष नहीं मिलेगा.

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने बिरनपुर रवाना होने से पहले पत्रकारों से चर्चा में सरकार को कई मुद्दों पर घेरा. विधायक दल के टीम के साथ पूरा दल के रवाना होने की जानकारी देते हुए कहा कि वहां से लगातार शिकायत आ रही है. कार्यकताओं को नए-नए केस बनाकर अरेस्ट किया जा रहा है. एक प्रकार से पूरे दुर्ग, खैरागढ़, साजा और बेमेतरा में आतंक का वातावरण है. उन्होंने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में आज सत्ता के इशारे पर निरपराध लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है.

पूर्व प्रमुख सचिव अमन सिंह की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की

रायपुर,28 अप्रैल 2023(ए)। सुप्रीम कोर्ट नई दिल्ली में आज 28 अप्रैल को छत्तीसगढ़ के 15 साल भाजपा शासनकाल के ताकतवर प्रमुख सचिव रहे अमन सिंह और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती यास्मीन सिंह की याचिका को सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने सुनवाई करते हुए याचिका खारिज कर अमन सिंह और यासमीन सिंह की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता पी सुंदरम और महेश जेठमलानी ने पक्ष रखा छत्तीसगढ़ शासन और ईओडब्ल्यू/एसीबी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सांसद कपिल सिब्बल ने पक्ष रखा।

श्रीनिवास राव बने छत्तीसगढ वन विभाग के नए प्रमुख

रायपुर,28अप्रैल2023 (ए)। वन विभाग ने श्रीनिवास राव को वन विभाग का नया प्रमुख बनाने का आदेश जारी कर दिया है। संजय शुक्ला एक मई को पूर्वान्ह श्रीनिवास राव को कार्यभार सौंपेंगे। हालांकि, श्रीनिवास राव से उपर सात आईएफएस और हैं। इनमें से अतुल शुक्ला इसी साल अगस्त में और आशीष भट्ट जून में रिटायर हो जाएंगे। उनके बाद सुधीर अग्रवाल, तपेश झा, अनिल राय, संजय ओझा और अनिल साहू आते हैं। इसके बाद श्रीनिवास राव का नम्बर आता है। सरकार ने इन सातों अधिकारियों को सुपरसीड करते हुए श्रीनिवास राव पर भरोसा जताया है। उनकी पोस्टिंग आदेश में लिखा है...श्रीनिवास राव वन बल प्रमुख संजय शुक्ला के पदभार छोड़ने के बाद उनकी जगह लेंगे।

कौन हैं श्रीनिवास राव

श्रीनिवास राव तेलांगना के विजयवाड़ा के रहने वाले हैं। उनकी पढ़ाई-लिखाई भी विजयवाड़ा में हुई। 1990 में वे आईएफएस सलेक्ट हुए। उन्हें मध्यप्रदेश कैडर मिला। नवंबर 2000 में राज्य के बंटवारे के बाद वे छत्तीसगढ़ आ गए। छत्तीसगढ़ में उनकी पहली पोस्टिंग डीएफओ प्रोडक्शन धमतरी रही। इसके बाद वे धमतरी में ही रेगुलर डीएफओ बने। धमतरी से प्रमोशन पाकर वे सीएफ बनकर दुर्ग पहुंचे। सीएफ के रूप में वे कांकेर और जगदलपुर में रहे। उसके बाद सीसीएफ प्रमोशन के बाद वे एक बार फिर दुर्ग में पोस्टेड हुए। सीसीएफ से एडिशनल पीसीसीएफ बनने के बाद वे पिछले करीब पांच साल से कैम्पा संभाल रहे हैं। वे छत्तीसगढ़ के 15 वें रेगुलर पीसीसीएफ होंगे। बता दें, राज्य बनने के बाद डॉ0 आरसी शर्मा, डॉ. एससी जेना, आरएन मिश्रा, आरके शर्मा, धीरेंद्र शर्मा, एके सिंह, रामप्रकाश, डॉ. एके बोवाज, बीएल शरण, आरके टम्टा, आरके सिंह, मुदित कुमार, राकेश चतुर्वेदी और संजय शुक्ला पीसीसीएफ रह चुके हैं। याने श्रीनिवास राव का नंबर पंद्रहवा है।

नक्सलियों द्वारा लगाये गये 3 किलो का आईईडी बरामद

बीजापुर,28 अप्रैल 2023 (ए)। जिले के गंगालूर मार्ग पर रेड्डी चौक से आगे किकलेर पहाड़ी के पास नक्सलियों ने जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए 03 किलो का आईईडी लगाया था, जिसे जवानों ने सतर्कता एवं सूझबूझ दिखाते हुए बरामद कर नक्सलियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया है। बीजापुर एसपी आजनेय वार्ष्णेय ने बताया कि शुक्रवार को किकलेर पहाड़ी के पास 03 किलो का आईईडी मुख्य सड़क से लगी पगडंडी से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 85वीं बटालियन एवं बीडीएस बीजापुर की टीम द्वारा डी-माईनिंग की कार्यवाही के दौरान आईईडी बरामद कर मौके पर ही सुरक्षित तरीके से विस्फोट कर निष्क्रिय कर दिया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)